राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 08 अगस्त 2025 वर्ष-8, अंक-170 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-7490923915

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

किसानों का हित भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता: प्रधानमंत्री

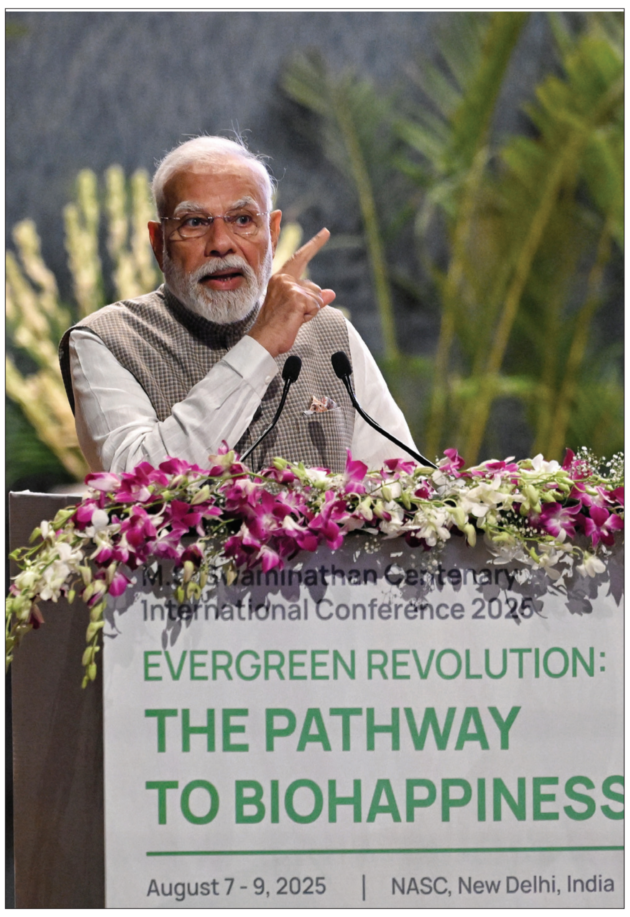

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि किसानों, मछुआरों और पशुपालकों का हित भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इन वर्गों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए वे व्यक्तिगत रूप से कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत अपने अन्नदाताओं के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी आज नई दिल्ली स्थित आईसीएआर पूसा में आयोजित एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत में कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने की दिशा में प्रोफेसर स्वामीनाथन के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन ने यह दिखाया कि विज्ञान केवल खोज नहीं बल्कि वितरण का भी माध्यम होना चाहिए। उन्होंने अपने शोध के माध्यम से किसानों को खेती के आधुनिक तरीकों के लिए प्रेरित किया। उनके विचार आज भी हमारी नीतियों और कृषि विज्ञान में परिलक्षित होते हैं।

मोदी ने कहा कि हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले डॉ. स्वामीनाथन का योगदान केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने बायोडायवर्सिटी और बायो-हैप्पीनेस जैसे विचारों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को भी सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन मानते थे कि बायोडायवर्सिटी के जरिए स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि डॉ. स्वामीनाथन की स्मृति में ÷एमएस स्वामीनाथन अवॉर्ड फॉर फूड एंड पीस÷ की शुरुआत की गई है, जो विकासशील देशों के उन वैज्ञानिकों को दिया जाएगा जिन्होंने खाद्य सुरक्षा की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस पुरस्कार के पहले विजेता नाइजीरिया के प्रोफेसर बने हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज चावल, गेहूं, कपास, सब्जियां और मछली उत्पादन में दुनिया में शीर्ष स्थानों पर है। उन्होंने कहा, 'सोयाबीन, मूंगफली और सरसों जैसी फसलों का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। यह हमारे किसानों की मेहनत और सरकार की किसान-केंद्रित नीतियों का परिणाम है।'

सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि, पीएम-संपदा योजना, और हाल ही में शुरू की गई पीएम धन-धान्य योजना जैसे कार्यक्रम किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे फूड सिक्योरिटी के साथ-साथ न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी पर भी ध्यान दें और प्राकृतिक खेती, क्रॉप डाइवर्सिफिकेशन तथा क्लाइमेट रेजिलिएंट वैरायटीज़ पर अनुसंधान को बढ़ावा दें। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को कृषि से जोड़ने का भी सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि हमारे पास पारंपरिक कृषि ज्ञान की विरासत है जिसे आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर एक समग्र कृषि प्रणाली बनाई जा सकती है। प्रधानमंत्री ने युवा वैज्ञानिकों और उद्यमियों से आग्रह किया कि वे किसानों के लिए नवाचार करें और भारत को 'ग्रीन प्रोडक्शन' में अग्रणी बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने को सरकार के लिए गौरव का विषय बताया और कहा कि उनके विचार आने वाले दशकों तक भारत की नीतियों को मार्गदर्शन देते रहेंगे।

एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर पर मतभेद, 5 पॉइंट

-अमेरिका चाहता है कि उसकी डेयरी प्रोडक्ट्स (जैसे दूध, पनीर, घी आदि) को भारत में आयात की अनुमति मिले। अमेरिकी कंपनियां दावा करती हैं कि उनका दूध स्वच्छ और गुणवत्ता वाला है और भारतीय बाजार में सस्ता भी पड़ सकता है। -भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं। भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आएंगे, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। -भारत में ज्यादातर लोग शुद्ध शाकाहारी दूध उत्पाद चाहते हैं, जबकि अमेरिका में कुछ डेयरी उत्पादों में जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम (जैसे रैनेट) का इस्तेमाल होता है। भारत की शर्त है कि ये शाकाहारी हो। -इसके साथ ही अमेरिका चाहता है कि गेहूं, चावल, सोयाबीन, मक्का और फलों जैसे सेब, अंगूर आदि को भारत के बाजार में कम टैक्स पर बेचा जा सके। वह चाहता है कि भारत अपनी इम्पोर्ट ड्यूटी को कम करे। -इसके अलावा, अमेरिका जैव-प्रौद्योगिकी (जीएमओ) फसलों को भी भारत में बेचने की कोशिश करता रहा है, लेकिन भारत की सरकार और किसान संगठन इसका कड़ा विरोध करते हैं।

मोदी की स्पीच की 3 बड़ी बातें, कहा-हमने किसानों को आत्मबल दिया

-स्वामीनाथन ने देश की खाद्य सुरक्षा को जीवन का ध्येय बनाया- कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका योगदान किसी एक युग या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होता। प्रो एमएस स्वामीनाथन ऐसे ही एक महान वैज्ञानिक थे। उन्होंने विज्ञान को जनसेवा का माध्यम बनाया। स्वामीनाथन ने देश की खाद्य सुरक्षा को अपने जीवन का ध्येय बनाया। उन्होंने एक ऐसी चेतना जागृत की जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक भारत की नीतियों और प्राथमिकताओं का मार्गदर्शन करती रहेगी।

-स्वामीनाथन ने मार्गदर्शन किया- स्वामीनाथन के साथ मेरा जुड़ाव कई सालों पुराना है। बहुत से लोग गुजरात की पुरानी परिस्थितियों से परिचित हैं। पहले सूखे और चक्रवातों के कारण कृषि को काफी संकट का सामना करना पड़ता था और कच्छ में रेगिस्तान का विस्तार हो रहा था। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब हमने मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर काम शुरू किया था। प्रो. स्वामीनाथन ने इसमें काफी रुचि दिखाई, उन्होंने खुलकर हमें सुझाव दिए और हमारा मार्गदर्शन किया। उनके योगदान के कारण, इस पहल को जबरदस्त सफलता मिली।' '

-किसानों के हित के लिए कई योजनाएं- पीएम किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सीधी सहायता ने छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। पीएम फसल बीमा योजना ने किसानों को जोखिम से सुरक्षा दी है। सिंचाई से जुड़ी समस्याओं को पीएम कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से दूर किया गया है। 10 हजार एफपीओ के निर्माण ने छोटे किसानों की संगठित शक्ति बढ़ाई है। ई-नाम की वजह से किसानों को अपनी उपज बेचने में आसानी हुई है।

साल के अंत में भारत दौरे पर आ सकते हैं व्लादिमीर पुतिन, एनएसए डोभाल ने दी जानकारी

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल के अंत में भारत का दौरा कर सकते हैं। यह जानकारी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने साझा की है। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन का पहला भारत दौरा होगा। एनएसए डोभाल ने रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी और उच्च-स्तरीय बातचीत पर जोर दिया डोभाल की यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर के बाद हो रही है और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा रूस के साथ भारत के संबंधों पर की गई टिप्पणियों के संदर्भ में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुतिन आखिरी बार 6 दिसंबर 2021 को भारत आए थे। उस 4 घंटे की यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने 28 समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे, जिनमें सैन्य और तकनीकी सहयोग से जुड़े समझौते भी शामिल थे। 2021 के दौरे में 2025 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था। आगामी यात्रा से दोनों देशों के बीच 2030 के लिए एक नया आर्थिक रोडमैप तैयार होने की उम्मीद है। भारत और रूस ने अपने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डालर से अधिक करने पर भी सहमति जाहिर की है। वर्तमान में दोनों के बीच का व्यापार लगभग 60 अरब डॉलर है।

मुंबई में जन्मी रेशमा ने रचा इतिहास, फॉर्च्यून की टॉप 100 बिजनेस लीडर्स सूची में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय मूल की सीईओ रेशमा केवालमणि ने वैश्विक व्यापार जगत में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें फॉर्च्यून की 'दुनिया के 100 सबसे शक्तिशाली बिजनेस लीडर्स' की सूची में शामिल किया गया है। रेशमा को इस सूची में 62वां स्थान मिला है। यह उनकी इस सूची में पहली एंट्री है। रेशमा वर्तमान में वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स की प्रेसिडेंट और सीईओ हैं, और अमेरिका की किसी प्रमुख बायोटेक्नोलॉजी कंपनी की पहली महिला प्रमुख बनने का गौरव भी उन्हें प्राप्त है। उन्होंने अप्रैल 2020 में सीईओ का पदभार संभाला था। वैसे भारतीय मूल की रेशमा के साथ ही इस सूची में भारत और भारतीय मूल के कई अन्य नामचीन नेताओं को भी स्थान मिला है। इनमें सत्य नडेला (सीईओ, माइक्रोसॉफ्ट) सेकंड रैंक पर हैं, जबकि सुंदर पिचाई रैंक 6 में, मुकेश अंबानी रैंक 56 में, नील मोहन रैंक 83 और गौतम अडानी को रैंक 96 में रखा गया है। इस सूची में पहला स्थान एनविडिआ के सीईओ जेंसन हुआंग को मिला है।

दुर्गा पूजा और छठ के समय बिहारी प्रवासियों के लिए परिवहन की नई व्यवस्था

- बिहार सरकार करेगी करोड़ों रुपये खर्च

पटना (एजेंसी)। हर साल बिहार में दुर्गा पूजा और छठ के समय प्रवासी बिहारी जिस प्रकार से ट्रेनों से लौटते हैं, वह सभी जानतें हैं। छठ के समय बिहार के प्रवासियों के लौटने की संख्या 60 लाख से भी अधिक होती है। इन प्रवासियों पर अब सभी राजनीतिक दलों की भी नजर है, क्योंकि प्रवासी बिहारी कई सीटों पर विधानसभा चुनाव में खेल बिगाड़ सकते हैं और बड़ा उलटफेर कर सकते हैं। शायद इसी बात को ध्यान में रखकर बिहार की नितीश सरकार ने बिहारी प्रवासियों के लिए परिवहन की नई व्यवस्था की है। हालांकि सत्ता में बैठे लोग इस बात से इंकार करते हैं कि चुनाव की वजह से ये फैसला लिया गया है। जेडीयू नेता और परिवहन मंत्री शीला मंडल कहती हैं कि चुनाव को लेकर नहीं, बल्कि लोगों की सुविधा को लेकर हमारी सरकार ने ये फैसला किया है. वो कहती हैं कि मुख्यमंत्री हमेशा बिहार के लोगों के हित में ही फैसला लेते रहे हैं। बाहर से लोगों को छठ पर और उससे पहले दुर्गा पूजा में आने में काफी भीड़-भार का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखकर सरकार ने इस बार उनकी सुविधा का ख्याल रखा है, जिससे आसानी से घर पहुंच सके। चुनाव से इसका कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दीवाली-छठ के समय आने वाले प्रवासियों के लिए परिवहन की विशेष व्यवस्था की है। बस ऑपरेटरों को पिक साइड से डेढ़ सौ रुपए प्रति सीट और ऑफ पिक साइड से 300 प्रति सीट देने का फैसला लिया है। इस पर सरकार करोड़ों रुपये खर्च करेगी। इस साल 2 महीने तक यह अभियान चलेगा, फिर होली में एक महीने के लिए अभियान चलाया जाएगा। हालांकि यह अभियान 5 साल तक चलने की बात कही जा रही है मगर नीतीश कुमार के फैसले को विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि छठ के समय ही बिहार विधानसभा का चुनाव होना है। बहरहाल बिहार के इतिहास में शायद यह पहली बार होगा जब राज्य सरकार ने दीवाली-छठ के समय आने वाले प्रवासियों के लिए परिवहन की विशेष व्यवस्था की है और इसका श्रेय निश्चित रूप से मुख्यमंत्री नितीश कुमार को मिलेगा।

सीएम मान को जान से मारने की धमकी, पन्नू ने फिर दिया भडकाऊ बयान

अमृतसर (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से पहले पंजाब में खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर भड़काऊ बयान दे दिया है। इसी के साथ सीएम भगवंत मान को हत्या की धमकी दी गई, जिससे राज्य में हलचल मच गई है।

दरअसल पन्नू ने एक वीडियो जारी कर फरीदकोट में मुख्यमंत्री को निशाना बनाने की चेतावनी दी है, साथ ही खालिस्तान समर्थक गतिविधियों को हवा देने की कोशिश की है। 15 अगस्त को भगवंत मान निशाने पर रहोगे, यह सीधा संदेश वीडियो में पन्नू ने दिया। उसने कहा है, कि फरीदकोट में तिरंगा फहराने का विरोध करेंगे, खालिस्तान का झंडा लहराओ। हिंदू समाज को चेतावनी देते हुए कहा गया, कि यदि वे खालिस्तान का समर्थन नहीं करेंगे, तो खालिस्तान बनने पर हिसाब लिया जाएगा। पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग पॉलिसी को लेकर लोगों को उकसाने की भी कोशिश की।

तीन जगहों पर लिखे खालिस्तानी नारे

पन्नू ने दावा किया है, कि अमृतसर बस स्टैंड के पास एक मंदिर, खालसा कॉलेज की

दीवार और जिला कोर्ट परिसर में एसएफजे जिंदाबाद, भगवंत मान मुर्दाबाद, और खालिस्तान जैसे नारे लिखवाए गए हैं। इस पर मंदिर के पुजारी जतिंदर अरोड़ा ने पुष्टि करते हुए बताया कि सुबह मंदिर की दीवार पर नारे पाए गए थे। मंदिर समिति ने पुलिस को तुरंत सूचित किया और दीवारों को फिर से पेंट करवा दिया गया है।

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, जांच शुरू

पंजाब पुलिस और खुफिया एजेंसियां इस धमकी को गंभीरता से ले रही हैं। सीएम भगवंत मान की सुरक्षा पहले से ही हाई अलर्ट पर है, खासकर 15 अगस्त के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बंदोबस्त किए जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर चुनावों में धांधली होने का बड़ा आरोप लगाया

एक पते पर 50-50 मतदाता थे...कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर बीते कुछ चुनावों में धांधली होने का बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों की कथित वोटर लिस्ट दिखाई जिसमें एक ही पते पर कई नाम दर्ज थे। उन्होंने मतदाता सूची दिखाई जिसमें कई वोटरों के मकान नंबर शून्य लिखा था और पिता का नाम भी गलत लिखा हुआ था। एक वोटर में पिता का नाम डिफोजगैड्फ' दिया गया था।

उन्होंने कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का हवाला देकर आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाया गया। उन्होंने एक प्रेसवार्ता में कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के

आंकड़ों की प्रस्तुति देकर धांधली का दावा किया। राहुल गांधी ने बताया कि ''चुनाव धांधली'' के सबूत एकत्र करने में कुल 6 माह का समय लगा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को 'मशीन के पढ़ने योग्य' (मशीन रीडेबल) डेटा नहीं दे रहा है, ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके।

राहुल गांधी ने कहा कि उनकी टीम ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के डेटा का विश्लेषण कर गड़बड़ी का पता किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में बीजेपी को एकतरफा वोट मिला। राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 मतों की चोरी हुई। उन्होंने कहा, ''एक पते पर 50-50 मतदाता थे...कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग अलग थे। राहुल गांधी ने कहा, ''हमारे संविधान में जो बातें निहित हैं, वहां इस तथ्य पर आधारित हैं कि एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार होगा। सवाल यह है कि अब यह विचार कितना सुरक्षित है कि एक व्यक्ति को एक वोट अधिकार मिलेगा? राहुल गांधी ने कहा, बीते कुछ समय से जनता में एक संदेह था। सत्ता विरोधी माहौल दल के खिलाफ होता है, लेकिन भाजपा इकलौती ऐसी पार्टी जिसके खिलाफ माहौल नहीं होता। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव का उल्लेख कर कहा कि सर्वेक्षण कुछ कह रहे थे, लेकिन नतीजे कुछ और हो गए।

राहुल गांधी के घर पर इंडिया गठबंधन की बैठक में छाया एसआईआर का मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के घर पर इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान गठबंधन के नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भी चर्चा की। साथ ही उप राष?ट्रपति चुनाव को लेकर भी गठबंधन के नेताओं ने तय की।

इस दौरान राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर प्रेजेंटेशन दिया। साथ ही बैठक में चुनाव आयोग के खिलाफ मुहिम तेज करने की भी रणनीति बनाई गई। राहुल गांधी के आवास 5 सुनहरी बाग रोड पर आयोजित बैठक में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, डी राजा, तिरुचि शिवा, टी आर बालू , शरद पवार, सुप्रिया सुले और फारूक अब्दुल्ला पहुंचे। इसके साथ ही साथ ही बैठक में अखिलेश यादव , डिंपल यादव, रामगोपाल यादव, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, रश्मि ठाकरे, आदित्य ठाकरे, कमल हासन, हनुमान बेनीवाल, महबूबा मुफ्ती, मुकेश सहनी और तेजस्वी यादव भी पहुंचे।

संसद का मानसून सत्र:14वें दिन भी विपक्ष का जोरदार हंगामा, लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का 14वां दिन विपक्षी हंगामे की भेंट चढ़ गया। बिहार एसआईआर (स्पेशल इंवेस्टिगेशन रिपोर्ट) को लेकर विपक्षी दलों के तीखे विरोध और नारेबाज़ी के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ गई। इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद में जोरदार प्रदर्शन करते हुए एसआईआर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि बिहार में सामने आई रिपोर्ट में गंभीर संवैधानिक और सामाजिक सवाल उठे हैं, जिन पर संसद में चर्चा अनिवार्य है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह को पत्र लिखकर इस विषय पर चर्चा कराने की मांग की थी। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब में कहा कि कोर्ट में लंबित मामलों पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती, इसलिए नियमों के तहत एसआईआर पर बहस की अनुमति नहीं दी जा सकती है। हंगामें के चलते कार्यवाही बाधित रही जिस कारण लोकसभा में आज प्रस्तावित दो अहम विधेयकों नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) बिल, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने पर फैसला नहीं हो सका।

कौन हो सकता है उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार? एनडीए की बैठक में हो गया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए दलों के सदन नेताओं ने गुरुवार को बैठक की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार का चयन करने के लिए अधिकृत किया। जेपी नड्डा राज्यसभा में सदन के नेता भी हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिए गए निर्णय को सत्तारूढ़ गठबंधन के सभी दल स्वीकार करेंगे। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। खबर यह भी है कि एनडीए 12 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की घोषणा करेगा।

किरेन रिजिजू ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एनडीए संसदीय दल के नेताओं की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि एनडीए ने उम्मीदवार के चयन सहित प्रक्रिया शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा को अधिकृत किया है। प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय को एनडीए के सभी दल स्वीकार करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन 21 अगस्त तक दाखिल किए जा सकते हैं। मतदान 9 सितंबर को होगा और मतगणना भी उसी दिन होगी।

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कार्यक्रम की अधिसूचना जारी कर दी है। यह चुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। धनखड़ के त्यागपत्र में कहा गया है, ÷स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, मैं संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूँ।÷

आने वाले दिनों में विपक्षी दलों द्वारा भी

चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार के चयन पर विचार-विमर्श किए जाने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बने एक निर्वाचक मंडल द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा किया जाता है और ऐसे चुनाव में मतदान गुप्त मतदान द्वारा होता है। उपराष्ट्रपति के कार्यकाल की समाप्ति से उत्पन्न रिक्ति को भरने के लिए चुनाव, कार्यकाल की समाप्ति से पहले ही संपन्न हो जाता है।

सुप्रीम कोर्ट अनुमति देगा तो मधुरी लौटेगी कोल्हापुर नंदिनी मठ

सीएम फडणवीस बोले- मधुरी को वापस लाने की हर संभव कोशिश

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित नंदिनी मठ की हाथिनी 'मधुरी' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि यदि सुप्रीम कोर्ट अनुमति देता है, तो हाथिनी मधुरी को वंतारा से वापस कोल्हापुर लाया जाएगा। उन्होंने इसे अच्छी खबर बताते हुए सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि मुंबई में वंतारा टीम से उनकी विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें वंतारा ने महाराष्ट्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में शामिल होकर हाथिनी मधुरी की सुरक्षित वापसी में सहयोग देने का भरोसा दिया है। फडणवीस ने एक्स पर लिखा, कि 'यह अच्छी खबर है कि वंतारा ने भरोसा दिलाया है कि वे सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार की याचिका में शामिल होकर हाथिनी 'मधुरी' को मठ में वापस लाने में सहयोग देंगे।'

वंतारा की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उन्होंने कभी भी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं रखा और सुप्रीम कोर्ट एवं बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए केवल हाथिनी की देखभाल, चिकित्सा सहायता और पुनर्वास की जिम्मेदारी निभाई। वंतारा ने यह भी स्पष्ट किया कि ÷मधुरी को स्थानांतरित करने का निर्णय न्यायिक आदेशों के तहत लिया गया था। वंतारा ने कभी इस स्थानांतरण की सिफारिश नहीं की और न ही यह निर्णय हमारी पहल पर लिया गया।÷ उन्होंने आगे कहा कि वे जैन मठ के अनुयायियों, संतों और कोल्हापुर की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हैं और किसी भी धार्मिक परंपरा में हस्तक्षेप का कोई उद्देश्य नहीं था। अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी हैं, जिसकी अनुमति के बाद हाथिनी मधुरी की कोल्हापुर वापसी संभव हो सकेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तराखंड तबाही : फितरती मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी

(लेखक- नरेंद्र भारती)

फितरती मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी द्य विश्व विख्यात देवभूमि हिमाचल व उतराखंड में प्रकृति का तांडव ,एक त्रासदी है द्य उत्तराखंड व हिमाचल को पता नहीं किसकी नजर लगी है की यहां तबाही ही तबाही हो रही है द्य मात्र 34 सेकंड में प्रकृति ने धारली में पल भर में सब तहस नहस कर दिया दर्जनों लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग लापता हो गए हैंद्य धारली के पास हर्षिल में भी सेना का केम्प व हेलीपेड को भी नुकसान पहुंचा है सेना के 11 जवान लापता हैं द्य होटल भी बह गए द्य कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। कुछ साल पहले भी उतराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव , एक त्रासदी है। प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए थे ।कुछ बच गए थे कुछ लापता हो गए थे ।प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है। मानव कृतध्न बनता जा रहा है। मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है। आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है ।मानव का अहम मिटाकर रख दिया है। गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुकें है। अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे है। प्रकृति ने मानव को समय-समय पर आगाह किया मगर इंटरनैट की दुनिया के जाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से बड़ा माने लगा था उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे बड़ी गुरु है। प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है। वातवरण कि शुद्धि के लिए प्रकृति मजबूर हो गई और मगरुर हो चुके इंसान का गुरुर तोड़ कर रख दिया है। अनजाने में हुई भूल को माफ किया जा सकता है मगर जानबूझकर की गई गलतियों की सजा प्रकृति ने मानव को दे दी है। मानव को जीवन और मौत की परिभाषा सिखा दी है। यह प्रलय की आहट है। कुदरत ने भटक चुके मानव को पाप और पुण्य का अंतर समझा दिया है। प्रकृति का एक संदेश है भटक चुके व अहंकारी इंसान के लिए जो कुदरत से खिलवाड़ करता था। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी। मानव को सबक सीखाती रहेगी। कुदरत का कहर बरपता रहेगा। यह प्रकृति का एक टरेलर ही है अगर अब भी मानव ने प्रकृति से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रकृति पूरी पिक्चर दिखएगी तब होश् आएगा वक्त अभी संभलने का है। अभी भी वक़्त है प्रकृति से छेड़छाड़ मत कीजिये द्य बेहरम बरसात ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक बहुत तांडव किया और हजारों लोगों को लील लिया बाढ़,भूसखलन के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं केरल के वायनाड मे भूस्खलन होने से 43 लोगों की मौत हो गई थी इस भूसखलन मे लगभग 400 लोग लापता हो गए थे यह बहुत ही त्रासदी थी द्य चार गाँव बह गए थे और पुल, सड़क, मकान बह गए हैं द्य एन डी आर एफ की टीमें जान जोखिम मे डाल कर लोगों का जीवन बचाती है द्यभारी बरसात के कारण यह हादसे होते है द्य सर्च ऑपरेशन व बचाव कार्य में भी काफ़ी जोखिम होता हैं द्य हिमाचल में भी बहुत तबाही हुई गाँव के गाँव दब गए लाशें नहीं मिली बादल फटने से 46 लोग मारे गए चलती गाड़ी पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई द्य प्रतिवर्ष बरसात मे ऐसे हादसे होते हैं और लोगों को जान गंवानी पड़ती है द्यप्रकृति की चेतावनी, सुधर जा मानव अभी सम्भलने वक़्त हैद्यप्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने वाले मानव को प्रकृति ने आगाह किया है की सुधर जाओ नहीं तो तबाह कर दूंगी यह तो एक ट्रेलर है अभी पूरी पिक्चर बाकि है हिमाचल के किन्नौर से लेकर भरमोर तक तबाही ही तबाही हो रही है बरसात का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है प्रतिदिन पहाड़ दरक रहे हैं द्य बरसात ने सेकड़ों लोगों का जीवन लील लिया है कई बच्चे अनाथ हो गए माताएँ व बहनों का सिंदूर मिट गया यह बरसात इतने जख्म दे गई की जख्म तो भर जायेंगे पर निशान अमिट रहेंगे बरसात के कारण अब तक सेंकेड़ो लोग मारे जा चुके हैं जो बह गए अभी तक नहीं मिल सके हैं करोड़ो की सरकारी व निजी सम्पति बह गई लोगों की उम्र भर की कमाई खत्म हो गई लोगों क़ो सड़को पर राते गुजारने पड़ रही है पल भर मे सब कुछ बह गया द्य कारें व बसें भी बह गई,आलीशान घर पल भर मे बह गए द्य सदियों पुराने पुल बह गए प्रकृति कभी भेदभाव नहीं करती लेकिन जब मानव ने प्रकृति का सीना छलनी कर दिया तो प्रकृति ने मानव को सबक सीखा दिया द्य अवैध खनन के कारण नदियों व नालों का रास्ता बदल गया है लोगो ने नदियों के किनारे मकान बना दिए नतीजन अब भुगत रहे हैं द्य बरसात अपना रोद्र रूप इंसान को दिखा चुकी है भटक चुके मानव को उसकी औकात दिखा दी हैद्य मानव को भी छेड़छाड़ करना बंद कर देनी चाहिए द्य पिछले साल20अगस्त क़ो भी बहुत तबाही हुई थी मंडी के गोहर मे एक मकान के जमीदोज होने से आठ लोगो की मौत हो गई थी द्य अगस्त मे लगातार मूसलाधार बारिस हो रही है सड़कें बह रही है पहाड़ मे बादल फट रहे हैं लोग असमय मारे जा रहे हैं द्य अभी अगस्त माह बाकि है पता नहीं कुदरत क्या कहर ढाएगी द्य प्रशांसन भी सक्रिय है लोगों को सुरक्षित जगह पर आश्रय दें रहा है लोगों को भी सतर्क रहना चाहिए नदियों का जलस्तर भी काफ़ी हो चूका है लोग लापरवाही बरत रहे हैं और बह रहे हैं ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए द्य मानव क़ो पहाड़ो से छेड़छाड़ बंद करनी होंगी ताकि आने वाले समय मे ऐसे हादसे रुक सके वक़्त अभी सभलने का है द्य अगर अब भी सबक नहीं सीखा तो ऐसी तबाही लगातर होती रहेगी द्य मानव क़ो चाहिए की अब ऐसी भूल मत करें नहीं तो कुदरत नामोनिशान मिटा देगी द्य गत बीते वर्ष रविवार को सुबह साढे दस बजे राज्य के चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषिगंगा नदी में गिरा और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया। ऋषिगंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया और दर्जनों लोगों की लील गया था ।16 लोगों को एडीआरएफ ने बचा लिया था ।204 लोग लापता हो गए थे और 34 शव बरामद कर लिए थे यह बहुत ही त्रासदी है। पल भर में लोग बह गए थे और लापता हो गए थे ।चमोली में लापता लोगां की तलाश के लिए अब जियोग्राफीकल स्कैनिंग की गई थी ।प्रकृति समय-समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद को समझकार समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिख दी है। सरकारो ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। प्रकृति से खेलना बंद करना होगा। यह प्रलय निरंतर होते रहेगें। बीते साल 2024 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी ।80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे ।पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इलाके जल्मगन हो गए थे। देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लाखों-हजारों लोग मारे जाते है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है। देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। अक्तूबर 1999 में भी उड़ीसा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थें। बच्चे अनाथ हो थे लाशे मलवे में दफन हो थी। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।

संपादकीय

कर्ज का मर्ज

कभी देश की किसानी के लिये आदर्श कहे जाने वाले पंजाब के किसान आज कर्ज के मर्ज से इतना क्यों त्रस्त होते जा रहे हैं, यह गंभीर विमर्श का विषय होना चाहिए। निस्संदेह, मौजूदा हालात में कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये प्रभावी कदम उठाने की सख्त जरूरत है। हाल ही में लोकसभा में पेश की गई नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट की रिपोर्ट पंजाब के किसानों की गंभीर वित्तीय स्थिति को उजागर करती है। जो उन्हें देश में संस्थागत ऋण लेने वाले किसानों की सूची में शीर्ष पर रखती है। यह रिपोर्ट कई चौंकाने वाले खुलासे करती है। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है कि राज्य के लगभग पच्चीस लाख किसानों ने कृषि कार्यों के लिये विभिन्न बैंकों से ऋण लिया है। वहीं दूसरी ओर प्रत्येक किसान पर करीब तीन लाख रुपये का कर्ज चढ़ा है। इससे पहले देश की संसद को सूचित किया गया था कि पंजाब में वर्ष 2017 से 2021 तक करीब एक हजार किसानों ने अपनी जीवन लीला आत्महत्या करके समाप्त कर ली थी। दरअसल, जांच-पड़ताल में यह बात भी सामने आई थी कि इन आत्महत्याओं के मूल में कर्ज का भारी बोझ ही था। कर्ज न चुका पाने या कर्ज वसूली के तौर-तरीकों से आहत किसान मौत को गले लगाना अंतिम समाधान मानने लग जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि इस संकट से सिर्फ किसान ही जूझ रहे हैं, कमोबेश खेतिहार मजदूरों के लिये भी परिदृश्य उतना ही निराशाजनक है। दरअसल, पिछले साल अर्थशास्त्रियों के पटियाला स्थित एक थिंक टैंक द्वारा कराये गये एक अध्ययन में पाया गया कि पंजाब में खेतों में काम करने वाले मजदूरों पर उनकी वार्षिक आय से चार गुना कर्ज चढ़ा हुआ था। यह कर्ज औसतन चौबीस हजार रुपये बताया गया था। यह अध्ययन कई गंभीर मुद्दों की ओर ध्यान दिलाता है। इस अध्ययन में बताया गया कि वर्ष 2015 से 2019 के बीच 898 खेतिहर मजदूरों ने भी आत्महत्या करके जीवन लीला समाप्त कर ली थी। निस्संदेह, ये हालिया आंकड़े कृषि की चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा करते हैं। वहीं दूसरी ओर ये आंकड़े उन कृषि नीतियों पर सवालिया निशान लगाते हैं, जो अनाज उत्पादक किसानों की आर्थिक परेशानियों को कम करने के लिये लागू करने की बात देश के नीति-नियंता करते हैं। पंजाब की आम आदमी सरकार विगत में दावे करती रही है कि वह अपनी किसान कल्याण नीति के निर्माण की दिशा में तेजी लायेगी। साथ ही यह भी कह रही है कि वह चुनाव के दौरान किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिये किये गये वायदे को पूरा करने के लिये प्रतिबद्ध है। यह साफ है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान लाई गई ऋण माफी योजना के प्रभावी परिणाम सामने नहीं आये हैं। जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि किसानों की किस्मत बदलने के लिये सिर्फ राहत पैकेज से काम नहीं चलेगा। इसके लिये कुछ ठोस कदम उठाने की भी जरूरत होगी। दरअसल कृषि अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिये प्रभावी और महत्वपूर्ण स्थायी कदम उठाने की जरूरत है। मौजूदा ऋण संकट के अलावा नीति-नियंताओं को लगातार बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के बीच व्यापक रणनीति बनाने की जरूरत होगी। इसके अंतर्गत जहां पर्यावरण अनुकूल और अधिक उपज देने वाली फसलों की किस्मों के विविधीकरण पर बल देने की जरूरत है, वहीं भूजल संकट को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता होगी।

धराली में तबाही का जिम्मेदार कौन!

(लेखक-राधा रमण)

उत्तराखंड का धराली बाजार बादल फटने से एक बार फिर तबाह हो गया। इससे पहले तीन बार 1864, 2013 और 2014 में भी यहां बादल फटे थे और तबाही आई थी। हालांकि समय के साथ धराली बार-बार उठ खड़ा हुआ है। हो सकता है फिर से उठ खड़ा हो जाए। गंगोत्री धाम से करीब 18 किलोमीटर पहले बसा उत्तरकाशी जिले का धराली पहले गांव था, फिर कस्बा बना और अब बाजार बनकर गुलजार हो रहा था। वहां 25 से ज्यादा होटल और होम स्टे बन गए थे। कई सारे रेस्टोरेंट और दुकानें खुल गई थीं। गंगोत्री धाम जानेवाले पर्यटक यहां ठहरते और रात्रि विश्राम किया करते थे। गंगोत्री धाम जानेवालों के लिए धराली आखिरी पड़ाव होता है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल गंगोत्री धाम में 6 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये थे। इस साल का आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है।

धराली की आबादी करीब एक हजार थी। मंगलवार दोपहर तक धराली के बाजार में चहल-पहल थी। बारिश के बावजूद मौसम सुहावना था। इस बीच, दोपहर करीब 1.15 बजे धराली के ऊपरी इलाके में बादल फटने से पहाड़ का मलबा महज 34 सेकेंड में धराली के बीचोंबीच बहनेवाली खीर नदी के रास्ते सब कुछ समेट ले गया। लगभग पूरा बाजार, 22 घर, कई होटल और होम स्टे जमींदोज हो गए। धराली में जो इक्का-दुक्का घर बचे भी हैं, उसमें करीब 8 फीट मलबा भरा हुआ है। जानमाल के नुकसान का पूरा ब्यौरा रिपोर्ट लिखे जाने तक नहीं मिल सका है। हादसे के दूसरे दिन शाम तक बचाव दल ने 400 से ज्यादा लोगों के रेस्क्यू करने का दावा किया है। उधर, प्रशासन ने 5 लोगों के मरने की पुष्टि की है, जिनमें एक का शव बरामद किया गया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी और सेना के जवान राहत और बचाव कार्य में हादसे के बाद से ही जुटे हुए हैं। हालांकि उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश बचाव दल का रास्ता रोक रही है। इधर, केरल के 28 सदस्यीय टूरिस्टों का दस्ता धराली हादसे के बाद से लापता बताया जाता है। उनके पारिवारिक सदस्यों ने मीडिया को बताया कि सभी लोग मंगलवार की सुबह धराली में थे और गंगोत्री धाम जाने की तैयारी कर रहे थे। अब हादसे के बाद उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। धराली स्थित प्राचीन कल्प केदार मंदिर भी मलबे में दफन हो गया है। बताया जाता है कि कल्प केदार मंदिर 1500 साल से ज्यादा पुराना है।

उत्तरकाशी के लिए मंगलवार का दिन कुछ ज्यादा ही मनहूस रहा। वहां महज ढाई घंटे के भीतर धराली के अलावा हर्षिल और सुक्खी टॉप के पास भी बादल फटने की घटनाएं हुईं। हर्षिल में भारतीय सेना का बेस कैंप है। एनडीआरएफ के डीआईजी के मुताबिक हादसे के बाद सेना के 11 जवान भी लापता हैं। उन्हें ढूंढने का अभियान जारी है। प्रशासन ने अभी तक सिर्फ धराली और हर्षिल हादसे का आधा-अधूरा ब्यौरा दिया है। सुक्खी टॉप में बर्बादी की जानकारी दूसरे दिन तक नहीं मिल पायी है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की है। उन्होंने हर संभव मदद का भरोसा दिया है। हादसे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया है। वह राज्य के आपदा प्रबंधन के लोगों और सरकारी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। लेकिन प्रकृति जब कोप में होती है तो आदमी बेबस हो जाता है।

वरिष्ठ भू वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती कहते हैं कि 'धराली ट्रांस हिमालय में मौजूद मेन सेंट्रल थर्स्ट में है। यह एक दरार होती है जो मुख्य हिमालय को ट्रांस हिमालय से जोड़ती है। यह इलाका भूकंप का अति संवेदनशील जोन भी है। जिस पहाड़ से खीर गंगा नदी आती है, वह 6 हजार मीटर ऊंचा है। जब भी वहां से सैलाब आता है, धराली को तहस-नहस कर देता है।'

उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ पीयूष रौतेला की मानें तो 2014 की आपदा के बाद भू वैज्ञानिकों ने सरकार से धराली को कहीं और बसाने को कहा था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि धराली टाइम बम पर बैठा है। यही नहीं, उत्तराखंड में सैकड़ों गांव नदियों के कछार में बसे हुए हैं। हर साल बरसात में उन गांवों का संपर्क कट जाता है। भू वैज्ञानिकों की रिपोर्ट सरकारी फाइलों में धूल फांकती रहती है और सरकार सब कुछ जानते हुए भी अनजान बनी रहती है। सरकार का पूरा जोर पर्यटकों से कमाई पर केंद्रित रहता है।

इसके अलावा समूचे उत्तराखंड में सड़क निर्माण, सुरंग और हाइड्रो प्रोजेक्ट के नाम पर काम सालों साल चलता रहता है। जंगल काटे जा रहे हैं। डायनामाईट से पहाड़ तोड़े जा रहे हैं। इससे पहाड़ों की मजबूती कम होती जा रही है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का अभाव होते जा रहा है। पहाड़ों के बीच कई स्थानों पर झील बने हुए हैं। अगर, सरकार भू वैज्ञानिकों की सलाह को नजरअंदाज करती रहेगी तो आनेवाले दिनों में मानव और वन्यजीवों के लिए खतरा बड़ा होता जाएगा। बेशक, विकास जरूरी है लेकिन जान-माल की हानि की कीमत पर होने वाले विकास को कत्तई उचित नहीं कहा जा सकता है।

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरु होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं।

आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

विचार मंथन

भारत में मोदी से बडे ब्रांड बने ट्रंप

(लेखक - सनत जैन)

भारत में राजनीति और कारोबार के गलियारे अक्सर आपस में हित टकराते हैं। अमेरिकी के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रियल एस्टेट मॉडल भारत में एक ऐसा उदाहरण है। जो ना तो राजनीति में प्रत्यक्ष रूप में है, नाही व्यापार में प्रत्यक्ष रूप से शामिल है। फिर भी ट्रंप का भारत से मुनाफा सभी के लिये अकल्पनीय है। ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने पिछले दशक में भारत से लगभग 175 करोड़ रुपये की कमाई की है। ट्रम्प की कंपनी ने एक रुपये का भी सीधा निवेश भारत में नहीं किया है। यह किसी जादू से कम नहीं है। ट्रंप की ब्रांडिंग, एक ऐसी रणनीति है। जो ब्रांड वैल्यू के दम पर भारत से करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष कमाती है। भारत सरकार को 1 रूपये का टैक्स भी नहीं देती है। डोनाल्ड ट्रंप भारत में केवल अपना नाम देते हैं। ट्रंप की कंपनी निर्माण क्षेत्र में भारत में कोई काम नहीं करती है। कोई रोजगार नहीं देती है। 1रूपये की पूंजी भी नहीं लगाती है। ट्रंप के लिए भारत के रियल एस्टेट के कारोबारी उसके ब्रांड का नाम लेकर रॉयल्टी के रूप में करोड़ों रुपए उसे देते हैं। भारतीय रियल एस्टेट के डेवलपर्स जैसे लोढ़ा, एम3एम, ट्रिबेका, कंप नियां ट्रंप ब्रांड का इस्तेमाल करती हैं। ट्रंप टावर के नाम से रियल एस्टेट में जो कारोबार भारत में किया जाता है। ट्रंप नाम के रियल एस्टेट के कारोबार में बिक्री से भारतीय कंप नियां मुनाफा कमाती हैं। जिसमें ट्रंप को 3-5त्न की रॉयल्टी अमेरिका में बैठे बिठाये ट्रम्प को मिलती है। ट्रंप भारत से इसी मॉडल के तहत मुंबई, गुरुग्राम, पुणे, हैदराबाद से लेकर कोलकाता मे करीब 13 रियल स्टेट के प्रोजेक्ट्स से भारी कमाई कर रहे हैं। केवल गुरुग्राम प्रोजेक्ट के लॉन्च मे पहले दिन ही 3,250 करोड़ की बिक्री हो गई। बड़े-बड़े पूंजीपतियों के बीच में ट्रंप का नाम मोदी से बड़ा है। ट्रंप को सारी दुनिया में विलासिता और नए-नए शौक का प्रतीक माना जाता है। मोदी सरकार की किसी भी योजना से ज्यादा ट्रंप टावर के नाम पर बने रियल स्टेट से भारत के कारोबारियों को भारी मुनाफा होता है। हैरानी की बात यह है, डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को 卐डेड इकोनॉमी卐 कहकर भारत को अपमानित किया है। इसके बावजूद भारत में उनका ट्रम्प ब्रांड, रियल एस्टेट के क्षेत्र में मोदी से बड़ा चेहरा बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी 卐मेक इन इंडिया卐, 卐स्टार्टअप इंडिया卐 जैसे अभियानों के ज़रिए भारत में विदेशी निवेश को आकर्षित करने में लगे हैं। वहीं ट्रंप बिना निवेश किए भारत से अरबों रुपये कमा कर अमेरिका ले जा रहे हैं। इसका एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है, ट्रंप की व्यापार नीति भारत के खिलाफ है। उन्होंने टैरिफ बढ़ाकर भारतीय निर्यातकों की रीढ़ की हड्डी को कमजोर किया है। इसी बीच उनका कारोबार भारत में बढ़ता ही जा रहा है। उनके निजी कारोबार को भारत में कोई नुकसान नहीं हुआ। यह बताता है, व्यक्तिगत लाभ और अमेरिका की राष्ट्रीय नीति और भारत को लेकर ट्रंप की सोच में कितना अंतर है। इस पूरे मॉडल से एक सवाल खड़ा होता है। क्या भारत में ट्रम्प का ब्रांड इतना प्रभावी हो चुका है। वह सरकार और मोदी जी से भी बड़ा बन जाए? ट्रंप ने भारत को एक बाज़ार भर नही समझा। ट्रंप अपने नाम पर भारत से अपने निजी हित के लिए गुंडे जैसी वसूली कर रहे हैं। मोदी कार्यकाल ने उन्हें भारत का एक ब्रांड बना दिया है। जो अब भारत के हितों को भी प्रभावित कर रहा है। असली चिंता इस बात की है। कहीं हम ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश क्राउन की तरह ट्रंप ब्रांड के

गुलाम तो नहीं बनने जा रहे हैं? अमे रिका के राष्ट्रप ति डोनाल्ड ट्रम्प अपने व्यक्तिगत हितों के लिए टेरिफ के जरिये दु निया के देशों को परेशान करते हैं। निजी हितों को पूरा करने के लिये अमेरिकी हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बन गए हैं।

आरबीआई का एलानः आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने जरूरी कदम उठाएंगे

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद कहा कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा, आरबीआई वह करता रहेगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में भारत ने ब्रिटेन, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते किए हैं, जबकि अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों से बातचीत जारी है। गवर्नर ने कहा कि टैरिफ जैसे वैश्विक कारकों से अर्थव्यवस्था पर असर हो सकता है, लेकिन आरबीआई स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि देश के पास 11 महीने के आयात को कवर करने योग्य विदेशी मुद्रा भंडार है। बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति भी संतोषजनक है–ग्रोस एनपीए 2.2 फीसदी और नेट एनपीए 0.5-0.6 फीसदी है। साथ ही सह-ऋण व्यवस्था पर नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे रेगुलेटेड संस्थाएं आपस में ऋण वितरण कर सकेंगी।

प्रमोटर द्वारा हिस्सेदारी घटाने से पीएसपी प्रोजेक्ट के शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली । पीएसपी प्रोजेक्ट के प्रमोटर ने कंपनी की कुल शेयर पूंजी के 25.73 फीसदी प्रतिनिधित्व करने वाले 1,01,98,734 इक्विटी शेयर बेच दिए हैं। यह बिक्री सेबी के सब्सटेशियल एक्यश्वन आफ शेयर आफ शेयर एंड टेकओवर रेगुलेशन 2011 के अंतर्गत दर्ज की गई है। बिक्री से पहले कंपनी के प्रमोटर और उनके पीएसी और उनके पास कंपनी की 47.76 फीसदी हिस्सेदारी (1,89,34,308 शेयर) थी। अब यह घटकर 22.04ह्र 87,35,574 शेयर) रह गई है। इस बड़े पैमाने पर हिस्सेदारी घटाने से निवेशकों में चिंता देखी गई और शेयर बाजार में कंपनी के स्टॉक्स में गिरावट आई। प्रमोटर की होल्डिंग में इस बदलाव को बाजार ने निगेटिव संकेत के रूप में लिया है। हालांकि, कंपनी या प्रमोटर की ओर से अभी तक इस बिक्री के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है।

बारिश ने बिगाड़ा मंडी का हाल, सब्ज़ियों की कीमतें छूने लगीं आसमान

- टमाटर 110, मटर 200 रुपये किलो तक पहुंचा, अभी और बढ़ेंगे दाम

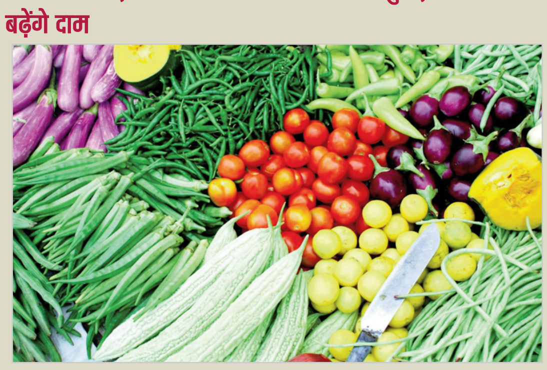

चंडीगढ़ । सेक्टर 26 की सब्ज़ी मंडी में इन दिनों सब्ज़ियों की कीमतें आम जनता की जेब पर भारी पड़ रही हैं। खासकर पहाड़ी इलाकों से आने वाली हरी सब्ज़ियों के दामों में अचानक भारी उछाल देखा जा रहा है। इसका मुख्य कारण है पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश, जिससे सप्लाई बाधित हो गई है। व्यापारियों का कहना है कि बारिश के चलते सड़कों की हालत खराब हो गई है और माल समय पर मंडियों तक नहीं पहुंच पा रहा। इस कारण सब्ज़ियों की आवक कम हो गई है, जबकि मांग पहले जैसी बनी हुई है। मांग और आपूर्ति के बीच का यह असंतुलन ही कीमतों को बेकाबू कर रहा है। फिलहाल मंडी में टमाटर 100 से 110 रुपए प्रति किलो, मटर 180 से 200, शिमला मिर्च 100 से 120, और टिंडा 120 से 130 में बिक रहा है। वहीं बैंगन 30 से 40 और कद्दू 20 से 30 के भाव पर उपलब्ध है। अदरक, लहसुन और हरी मिर्च भी 60 से 90 के बीच बिक रही हैं।

पेटीएम के बाद अब चीन की एक दिग्गज कंपनी भी जोमैटो से बाहर निकलेगी

नई दिल्ली ।

चीन के दिग्गज उद्योगपति जैक मा की कंपनी-एंट फाइनेंशियल भारत की एक और कंपनी से बाहर निकलने की तैयारी कर रही है। दरअसल, एंट फाइनेंशियल ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी इटरनल लिमिटेड यानी जोमैटो में एक ब्लॉक डील के जरिए हिस्सेदारी बेच सकती है। बता दें कि एंट फाइनेंशियल ने हाल ही में हिस्सेदारी बेचकर पेटीएम से खुद को अलग कर लिया है। एक खबर के मुताबिक इटरनल में एंट फाइनेंशियल ब्लॉक डील के तहत 18.85 करोड़ शेयर बेच सकता है। एंटफिन जितने शेयर बेचने की योजना बना रहा है, वह कंपनी की बकाया इक्विटी का 2 फीसदी है। ब्लॉक डील के लिए फ्लोर प्राइस 285 प्रति शेयर तय किया गया है, जो बुधवार को इटरनल के बंद भाव से 5 फीसदी कम है। इस खबर के बीच, इटरनल के शेयर बुधवार को 0.7 फीसदी गिरकर 300 पर बंद हुए। पिछले एक महीने में यह शेयर 16 फीसदी चढ़ा है। एक सप्ताह में यह भारत की दूसरी कंपनी है जिसमें से एंट फाइनेंशियल ने हिस्सेदारी बेच रही है। बीते दिनों उद्योगपति जैक मा की कंपनी एंट फाइनेंशियल ने

डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी समूची 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 3,980 करोड़ रुपये में बेच दी है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 24 पैसे बढ़कर 87.47 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क

लगाने के बाद गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे बढ़कर 87.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि ट्रंप के इस आक्रामक कदम से चुनिंदा भारतीय निर्यातों पर प्रभाव पड़ेगा। ये अतिरिक्त शुल्क 21 दिनों में लागू होगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.69 पर खुला और फिर 87.67 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे अधिक है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे बढ़कर 87.72 पर बंद हुआ था। इस बीच वायदा कारोबार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.99 प्रतिशत बढ़कर 67.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई।

जुलाई में घरेलू वाहन बिक्री में 4 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली । फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने गुरुवार को बताया कि जुलाई 2024 में भारत में घरेलू स्तर पर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस महीने कुल पंजीकरण 19,64,213 इकाई तक सीमित रहे, जबकि जुलाई 2023 में यह आंकड़ा 20,52,759 इकाई था। विशेष रूप से यात्री वाहनों की बिक्री में मामूली गिरावट आई है। जुलाई 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री 3,28,613 इकाई रही, जो पिछले साल जुलाई में 3,31,280 इकाई थी। फाडा ने बताया कि यह कमी मुख्य रूप से पिछले साल की तुलना में उच्च आधार प्रभाव के कारण हुई है, जहां पिछला वर्ष अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया था।ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन बिक्री को बढ़ावा देने के लिए शुभ दिनों, लक्षित योजनाओं और ग्रामीण विपणन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव देखा गया। वहीं, शहरी इलाकों में ग्राहक की सीमित धारणा और मांग कमजोर रहने के कारण बिक्री धीमी रही।फाडा ने यह भी कहा कि आने वाले त्योहारी सत्र में बिक्री को मजबूत बनाए रखने के लिए बाजार में निपुण और संतुलित छूट, बेहतर वित्तीय सुविधाएं और शहरी इलाकों में व्यापक पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी होगा। इसके अलावा, उपभोक्ताओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए कंपनियों को रणनीतिक कदम उठाने होंगे ताकि वाहन बिक्री में तेजी लाई जा सके।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

ट्रंप सरकार की टैरिफ धमकी रही बेअसर

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। बाजार पर अमेरिका की डोनाल्ट ट्रंप सरकार के 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 79.27 अंक बढ़कर 80,623.26 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में 21.95 अंक ऊपर आकर 24,596 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार वीकली एक्सपायरी के बीच घरेलू शेयर बाज़ारों ने दिन के निचले स्तरों से तेज़ी से रिकवरी की जिससे बाजार में ये बढ़त रही। अमेरिकी टैरिफ़ में भारी बढ़ोतरी के बाद व्यापक बिकवाली ने शुरुआत में कारोबार पर दबाव बनाया था पर ट्रम्प की रुस और यूक्रेन से संभावित शांति वार्ता की खबरों से व्यापार पर बाजार की धारणा मजबूत हुई । इससे ऑटो, फार्मा, मेटल और एनर्जी क्षेत्रों में मज़बूत आई। जिससे बाजार शुरुआत नुकसान से उबर पाया। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 2 फीसदी से अधिक बढ़कर बंद हुए। वहीं एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, मारुति, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस के शेयर ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर अदाणी पोर्ट्स 1.55 फीसदी गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा ट्रेंट, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक

बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.87 फीसदी चढ़कर बंद हुआ। निफ़्टी फार्मा में 0.75 फीसदी की बढ़त देखी गई। इसके अलावा निफ्टी ऑटो इंडेक्स 0.25 फीसदी की बढ़त रही। 16 में से 14 सेक्टर लाभ में रहे। निफ्टी रियल्टी और तेल एवं गैस में क्रमशः 0.13 फीसदी और 0.19 फीसदी की गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार आज सुबह गिरावट के साथ खुले। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 230 अंक की गिरावट के साथ 80,313 और निफ्टी 73 अंक की कमजोरी के साथ 24,501 पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली का दबाव देखा जा रहा है। शुरुआती कारोबार में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,671 शेयर लाल निशान में, 548 शेयर हरे निशान में और 83 शेयरों में बिना किसी बदलाव के कारोबार हो रहा था। गिरावट का अधिक दबाव ऑटो और एनर्जी शेयरों में देखा जा रहा है। दोनों ही इंडेक्स 0.50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। ट्रंप की ओर से भारतीय निर्यात पर टैरिफ को बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया है, जो कि पहले 25 प्रतिशत था। आज एशिया के ज्यादातर बाजार हरे निशान में थे। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और सोल तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं अमेरिकी बाजार बुधवार को हरे निशान में बंद हुए थे।

गौतम अडानी शुरु करने जा रहे ये नया बिजनेस......प्रारंभिक निवेश 20,000 करोड़

मुंबई ।

भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, जो कई व्यवसायों में काम करते हैं, अब एक नया व्यवसाय शुरू करने जा रहे हैं। अडानी समूह की कंपनी अडानी एयरपोर्ट इस नए बिज़नेस की शुरुआत कर रही है, जिसमें प्रारंभिक निवेश 20,000 करोड़ होगा। इस निवेश का एक बड़ा हिस्सा मुंबई में खर्च होगा, जिससे इस शहर को सबसे अधिक फायदा होगा। अडानी एयरपोर्ट्स ने सिटी साइड डेवलपमेंट नामक एक नया व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाई है। इसका मकसद एयरपोर्ट के आसपास की ज़मीन को विकसित कर आय को बढ़ाना है। कंपनी का लक्ष्य साल 2030 तक अपनी कुल आय का 70 प्रतिशत नॉन-एयरोनॉटिकल बिज़नेस (एयरपोर्ट संचालन के अलावा अन्य बिज़नेस) से कमाना है। फिलहाल यह आँकड़ा 50 प्रतिशत है। अडानी समूह अपने 20,000 करोड़ के कुल शुरुआती निवेश का लगभग 70 प्रतिशत यानी 14,000 करोड़ केवल मुंबई में निवेश करेगा। यह निवेश नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और मुंबई हवाई अड्डे के पास की ज़मीन पर होगा। इस प्रोजेक्ट के तहत कई सुविधाएँ विकसित की जाएँगी, जिसमें लगभग 1,000 कमरों के साथ 5 होटल, एक शॉपिंग मॉल, 3 ऑफिस टॉवर और होटलों के साथ सर्विस अपार्टमेंट भी बनने की योजना है। इस प्रोजेक्ट को एम्स्टर्डम और सिडनी एयरपोर्ट की तरह विकसित करने की योजना है, जहाँ एयरपोर्ट के साथ-साथ हॉस्पिटैलिटी, रिटेल और ऑफिस स्पेस जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध होती हैं। इस निवेश से अडानी समूह की कंपनी अडानी एयरपोर्ट अपने को स्थापित करेगी।

साथ एयरपोर्ट के पास मौजूद जमीन का इस्तेमाल कारोबारी रुप में करेगी।

बताया जा रहा हैं कि अडानी एयरपोर्ट्स देश के 6 एयरपोर्ट्स पर इसतरह के प्रोजेक्ट शुरू करेगी। इस प्रोजेक्ट के पहले चरण में नवी मुंबई हवाई अड्डे पर 240 एकड़ ज़मीन का इस्तेमाल होगा। कंपनी ने पहले ही इस प्रोजेक्ट के लिए 75 करोड़ डॉलर जुटा लिए थे। यह कदम अडानी समूह को एयरपोर्ट संचालन से इतर अन्य क्षेत्रों में भी अपनी पकड़ मज़बूत करने में मदद करेगा, जिससे उनकी आय में और वृद्धि हो सके।

भारत-अमेरिका ट्रेड वार्ता में नए मोड़, ट्रंप की कड़ी शर्तें चुनौती

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड डील को लेकर अपनी कड़ी शर्तें रखीं हैं, जिससे वार्ता में बाधा आ रही है। ट्रंप की सोच यह है कि भारत उनकी शर्तों पर राजी हो जाएगा, लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। ट्रंप ने विश्व भर के लिए 'बुली अंकल सैम' बनने की कोशिश की है, यानी प्रेशर टेक्निक के माध्यम से अपनी मंशा थोपने की नीति अपनाई है। हालांकि, उन्होंने चीन को अब तक नहीं झुका पाया है, जो यह दर्शाता है कि उनकी रणनीति हर देश पर प्रभावी नहीं हो रही। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर वार्ता जारी है, लेकिन अमेरिका की सख्त मांगों के कारण कोई ठोस परिणाम नहीं निकल पाया है। ट्रंप ने भारत को 50 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने के लिए 21 दिनों का समय दिया है, जिससे साफ है कि वह वार्ता के लिए गंभीर हैं। यह दौर पूरी तरह ट्रेड डिप्लोमेसी पर निर्भर करेगा कि भारत अपने हितों की रक्षा कैसे करता है। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने आंतरिक बाजार को मजबूत करे और घरेलू उत्पादों को बढ़ावा दे ताकि अमेरिका की दबावपूर्ण नीतियों का सामना कर सके। भारत को ट्रंप जैसी रणनीतियों का सामना करते हुए न केवल अपने व्यापारिक हितों को सुरक्षित रखना होगा, बल्कि वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति भी मजबूत करनी होगी। आने वाले दिनों में यह देखना होगा कि भारत अमेरिका के दबावों को कैसे पार करता है और अपनी आर्थिक नीति को किस दिशा में ले जाता है।

इस महीने में नौ दिन बंद रहेंगे बैंक

- नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं सुचारू रूप से चलती रहेंगी

नई दिल्ली ।

साल 2025 का अगस्त महीने में कई त्योहार और राष्ट्रीय पर्व हैं, जिसकी वजह से बैंकों में कोई कामकाज नहीं होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी छुट्टियों की सूची के अनुसार, उत्तराखंड के स्टेट कलेंडर के मुताबिक, अगस्त 2025 में बैंक में कुल 9 दिन बंद रहेंगे। इस दौरान बैंकों में कोई कामकाज नहीं होगा। अगस्त के महीने में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी छुट्टियों की सूची की छुट्टियों में साप्ताहिक अवकाश (रविवार और दूसरा/चौथा शनिवार), राष्ट्रीय अवकाश और कई राज्यों के क्षेत्रीय त्योहार भी शामिल हैं। 9 अगस्त के दिन शनिवार को देशभर में भाई-बहनों का त्योहार रक्षाबंधन मनाया जाएगा। इसलिए इस दिन बैंक बंद रहेंगे। इसके साथ ही, इस दिन महीने के दूसरे शनिवार के कारण भी देशभर के बैंक बंद रहते हैं। 15 अगस्त शुक्रवार के दिन देशभर में जश्न- ए-आज़ादी यानी स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। यह भारत का राष्ट्रीय पर्व है और पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश होने के चलते बैंक बंद रहते हैं। यह एक लंबा वीकेंड भी बना रहा है, जिससे बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ सकता है। 16 अगस्त को शनिवार

है और इस दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मदिन यानी जन्माष्टमी है, इस दिन उत्तराखंड में बैंक बंद रहेंगे। 15 अगस्त शुक्रवार को है और उसके बाद 16 अगस्त को जन्माष्टमी और 17 अगस्त को रविवार है यानी बैंक में सीधे तौर पर 3 दिनों की छुट्टियां रहेंगी। हालांकि, बैंकों की शाखाएं इन छुट्टियों के दौरान बंद रहेंगी लेकिन नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाएं सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

महिंद्रा ग्रुप अपने 14,000 कर्मचारियों को दिवाली पर देंगे शेयर

नई दिल्ली ।

महिंद्रा ग्रुप ने इस दिवाली अपने 14,000 से अधिक कर्मचारियों को एक खास तोहफा दिया है। कंपनी ने बोनस के रूप में नकद राशि देने की बजाय कर्मचारियों को कंपनी के शेयर देने की घोषणा की है। इस वन-टाइम बोनस की कुल वैल्यू लगभग 500 करोड़ रुपये होगी। इस योजना का लाभ महिंद्रा एंड महिंद्रा (ऑटो और फार्म सेक्टर्स), महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल और महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की यूनिट्स में कार्यरत स्थायी कर्मचारियों को मिलेगा। खास बात यह है कि इस योजना में फैक्ट्री और शॉपफ्लोर वर्कर्स को भी शामिल किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय कंपनी ने दिवाली बोनस के रूप में स्टॉक वितरित किए हैं और साथ ही पहली बार महिंद्रा ने अपने ब्लू-कॉलर कर्मचारियों को स्टॉक ओनरशिप का लाभ दिया है। इस योजना के लिए पात्र कर्मचारी वे होंगे जो कंपनी के परमानेंट पे-रोल पर हैं और जिन्होंने कम से कम 12 महीने की सेवा पूरी कर ली है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी

बढ़कर 4083 करोड़ हो गया है, जबकि कंपनी की कुल आय 45,529 करोड़ रही। इस पहल से न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि उन्हें कंपनी की ग्रोथ से सीधे जुड़ने का अवसर भी मिलेगा।

भारत में हाइब्रिड कारों की बिक्री में देखने को मिला बूम

नई दिल्ली ।

भारत में हाइब्रिड कारों की बिक्री में बूम देखने को मिला है। साल 2025 की पहली छमाही में हाइब्रिड कार की 52,000 से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। इस सेगमेंट ने 62.5प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस समय टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स 81प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मार्केट लीडर है, लेकिन अब मारुति सुजुकी और महिंद्रा जैसे बड़े खिलाड़ी इस सेगमेंट में उतरने को तैयार हैं। दोनों कंपनियां साल 2026 में अपनी पहली किफायती हाइब्रिड एसयूवीएस लॉन्च करने जा रही हैं, जिससे बाजार में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है। मारुति अपनी फ्रोंक्स कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर का हाइब्रिड वर्जन लाने की तैयारी कर रही है, जिसमें नया झेड12ई 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन और 1.5केडब्ल्यूएच से 2केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक होगा। यह सीरीज हाइब्रिड टेक्नोलॉजी मारुति की इन-हाउस विकसित तकनीक है और इसका उद्देश्य ग्राहकों को फ्यूल एफिशिएंट और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प देना है।

दूसरी ओर, महिंद्रा अपनी एक्सयूवी 3गुणाह्र का हाइब्रिड वर्जन पेश करने जा रही है, जिसमें 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और एडवांस हाइब्रिड सिस्टम होगा। पहले ही डिजाइन और फीचर्स के लिए चर्चा में रही इस एसयूवी का हाइब्रिड वर्जन मिड-सेगमेंट ग्राहकों को आकर्षित कर सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो दोनों कंपनियां यदि अपनी गाड़ियां आक्रामक कीमत और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के साथ पेश करती हैं, तो टोयोटा की बादशाहत को चुनौती मिल सकती है।

टाटा मोटर्स ने कुल 5,972 यूनिट्स इलेक्ट्रिक कारें बेचीं

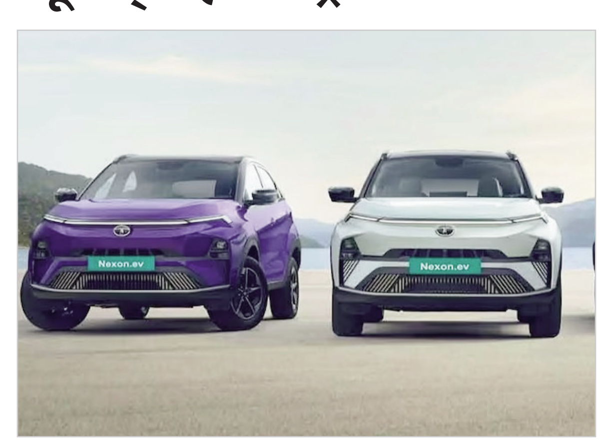

नईदिल्ली ।

स्वदेशी टाटा मोटर्स कंपनी ने कुल 5,972 यूनिट्स इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जो अन्य कंपनियों से कहीं ज्यादा है। इस महीने भी टाटा मोटर्स ने देश के इलेक्ट्रिक कार बाजार में नंबर-1 की पोजीशन पर कब्जा जमाए रखा। भारत में जुलाई 2025 में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के यह आंकड़े इसका स्पष्ट प्रमाण हैं।

बिक्री के मामले में एमजी मोटर दूसरे नंबर पर रही, जिसने जुलाई में 5,013 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। वहीं, महिंद्रा तीसरे स्थान पर रही, जिसकी 2,789 इलेक्ट्रिक कारें ग्राहकों ने खरीदीं। इन दोनों ब्रांड्स ने भी अपने-अपने सेगमेंट में मजबूती से पकड़ बनाई हुई है, खासकर एमजी की झेडएस ईवी और महिंद्रा की एक्सयूवी 400 जैसी कारों को लोगों ने पसंद किया। चौथे नंबर पर रही हुंडई, जिसकी 602 यूनिट्स की बिक्री दर्ज हुई। हालांकि कंपनी ने आयोनिक 5 और कोना ईवी जैसी प्रीमियम रेंज पेश की है, लेकिन इनकी बिक्री टॉप कंपनियों से पीछे रही।

बीवायडी ने कुल 453 यूनिट्स बेचकर पांचवां स्थान हासिल किया, जो एक उभरता हुआ नाम है। छठे नंबर पर बीएमडब्ल्यू रही, जिसने 225 यूनिट्स इलेक्ट्रिक कारें बेचीं। मर्सिडीज बेंज ने 85 यूनिट्स के साथ सातवां स्थान हासिल किया, जबकि सिट्रोएन सिर्फ 41 यूनिट्स बेच पाई और आखिरी पायदान पर रही। बता दें कि टाटा की किफायती कीमत, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और व्यापक नेटवर्क ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दलीप ट्रॉफी में खेलेंगे शुभमन गिल, उत्तर क्षेत्र की कप्तानी मिली, ये बड़े खिलाड़ी भी टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड में भारत को 2-2 से टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराने में के बाद अब शुभमन गिल 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू हो रही आगामी दलीप ट्रॉफी में नजर आएंगे। गिल को उत्तर क्षेत्र टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड में 5 टेस्ट मैचों में 754 रन बनाने वाले और भारत के प्लेयर ऑफ द सीरीज बने गिल के अलावा, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हर्षित राणा 15 सदस्यीय टीम में अन्य उल्लेखनीय नाम हैं।

कंबोज ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे मैच में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जबकि राणा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत 'ए' के मैचों में खेले थे और अर्शदीप को टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला था। गुरुवार को नई दिल्ली में हुई बैठक में टीम का चयन करने वाली क्षेत्रीय चयन समिति ने यह भी घोषणा की कि अगर गिल, अर्शदीप और राणा में से किसी को भी दलीप ट्रॉफी के साथ होने वाले भारतीय मैचों के लिए मुख्य टीम में शामिल किया जाता है, तो सर्विसेज के शुभम रोहिल्ला, पंजाब के गुरनूर बरार और हरियाणा के अनुज ठकराल को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा।

भारत 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले पुरुष टी20 एशिया कप में खेलेगा। उत्तर क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में दिल्ली के ऑलराउंडर आयुष बदोनी और बल्लेबाज यश ढुल शामिल हैं, जिन्होंने 2022 अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भारत की कप्तानी की थी। पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली जम्मू और कश्मीर की टीम में चार खिलाड़ी शुभम खजूरिया, साहिल लोत्रा, युद्धवीर सिंह चरक और औकीब नबी भी उत्तर क्षेत्र की टीम में हैं, जबकि आबिद मुश्ताक स्टैंड-बाय सूची में हैं।

दलीप ट्रॉफी छह टीमों के पुराने क्षेत्रीय प्रारूप में आयोजित की जाएगी और 2025/26 घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत का प्रतीक है। उत्तर क्षेत्र अपने अभियान की शुरुआत बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर ईशान किशन की अगुवाई वाले पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा, जिसमें विजेता टीम सेमीफाइनल में दक्षिण क्षेत्र से भिड़ेगी।

उत्तर क्षेत्र की टीम

शुभमन गिल (कप्तान) (पीसीए), शुभम खजूरिया (जेकेसीए), अंकित कुमार (उप-कप्तान) (एचसीए), आयुष बदोनी (डीडीसीए), यश ढुल (डीडीसीए), अंकित कलसी (एचपीसीए), निशांत सिंधु (एचसीए), साहिल लोत्रा (जेकेसीए), मयंक डागर (एचपीसीए), युद्धवीर सिंह चरक (जेकेसीए), अर्शदीप सिंह (पीसीए), हर्षित राणा (डीडीसीए), अंशुल कंबोज (एचसीए), औकिब नबी (जेकेसीए), और कन्हैया वधावन (विकेटकीपर) (जेकेसीए)।

स्टैंडबाय

शुभम अरोड़ा (विकेटकीपर) (एचपीसीए), जसकरनवीर सिंह पॉल (पीसीए), रवि चौहान (एसएससीबी), आबिद मुश्ताक (जेकेसीए), निशंक बिड़ला (यूटीसीए), उमर नजीर (जेकेसीए) और दिवेश शर्मा (एचपीसीए)।

अगले 15 से 20 साल सीएसके के साथ ही रहेंगे धोनी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह आगे भी टीम के साथ ही बने रहेंगे। धोनी ने कहा कि अगले 15 से 20 साल तक वह सीएसके के साथ ही रहेंगे भले ही खेलें या नहीं। धोनी की इस बात से साफ है कि वह अगले सत्र में अगर नहीं खेलते हैं तो कोच या मेंटॉर के तौर पर भी पीली जर्सी में ही दिखेंगे। धोनी ने कहा कि वह और सीएसके साथ-साथ हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीएसके और उनका साथ सिर्फ खिलाड़ी के तौर पर ही नहीं है। बढ़ती उम्र को देखते हुए पिछले कुछ साल से धोनी के खेल से संन्यास की अटकलें लगायी जा रही हैं। इसी को लेकर धोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं और सीएसके, हम साथ-साथ हैं। यह एक या दो साल के लिए नहीं है। मैं हमेशा पीली जर्सी में बैठा मिलूंगा। मैं भले ही खेलूं या नहीं।

44 साल के हो रहे धोनी पिछले सत्र में घुटने की चोट के कारण काफी परेशान रहे थे और निचले क्रम पर उतरे थे। वहीं आईपीएल 2024 के समय भी ऐसी अटकलें लगी थीं कि धोनी वो सत्र नहीं खेलेंगे पर वह घुटने की समस्या से बहुत जल्दी उबरे। इतना ही नहीं, आईपीएल 2025 में सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ जब कोहनी की चोट की वजह से बाहर हुए तब धोनी ने एक बार फिर कप्तानी संभाली। हालांकि, पिछला सत्र सीएसके के लिए अच्छा नहीं रहा था। आईपीएल की सबसे सफल टीमों में शामिल सीएसके 14 मैच में सिर्फ 4 ही जीत सकी थी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। धोनी ने पिछले सत्र में चेन्नई में एक निजी समारोह के दौरान कहा था कि चेन्नई की टीम रुतुराज को ही टीम में बनाए रखेगी। उन्होंने कहा, 'हम अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़े चिंतित थे पर मुझे लगता है कि अब हमारा बल्लेबाजी क्रम काफी व्यवस्थित है। गायकवाड़ वापसी करेंगे। उन्हें चोट लगी थी। वह वापसी करेंगे तो अब हम काफी व्यवस्थित हो जायेंगे।'

बीसीसीआई ने उत्कृष्टता केंद्र में नए कोचों की तलाश शुरू की

बेंगलुरू (एजेंसी)। मशहूर गेंदबाजी कोच ट्रॉय कूली समेत पुराने कोचों के जाने के बाद BCCI अपने उत्कृष्टता केंद्र (COE) के लिए नए कोचिंग स्टाफ की तलाश में है और गेंदबाजी, बल्लेबाजी, खेल विज्ञान और मेडिसिन विभाग में शीर्ष पदों के लिये आवेदन मंगवाये गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रथम श्रेणी तेज गेंदबाज और इंग्लैंड के एशेज विजेता गेंदबाजी कोच कूली का BCCI के साथ तीन साल का करार खत्म हो गया था और वह कार्यकाल में विस्तार पर थे। 59 वर्ष के कूली को 2021 के आखिर में एनसीए का गेंदबाजी कोच बनाया गया था। उनकी जगह भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वीआरवी सिंह ले सकते हैं जिन्होंने कूली के साथ काम किया है।

मेडिकल टीम के प्रमुख नितिन पटेल समेत स्टाफ के कई सदस्यों के जाने के बाद कई पद रिक्त हैं। पटेल ने मार्च में पद से इस्तीफा दिया था। स्पिन गेंदबाजी कोच साइराज बहुतुले भी जा चुके हैं और अब राजस्थान रॉयल्स के सहयोगी स्टाफ में हैं। NCA के एक और कोच सितांशु कोटक राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण का COE प्रमुख के तौर पर कार्यकाल इस साल के आखिर में खत्म हो रहा है और समझा जाता है कि वह इसका नवीनीकरण कराना नहीं चाहते। ऐसी संभावना है कि उन्हें 2027 वनडे विश्व कप तक पद पर बने रहने के लिये बोला जाए।

BCCI ने बृहस्पतिवार को तीन प्रमुख पदों के लिए इश्तेहार दिया जिसमें कहा गया है कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी कोच के पद के लिए उम्मीदवार पूर्व प्रथम श्रेणी या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होना चाहिए जिसके पास बीसीसीआई लेवल दो या तीन का कोचिंग सर्टिफिकेट हो।

शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी संभव नजर नहीं आती

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी अब टेस्ट क्रिकेट में मुश्किल नजर आती है। इसकार कारण युवा तेज गेंदबाजों का अच्छा प्रदर्शन और शमी की बढ़ती उम्र है। शमी 35 के करीब होने जा रहे हैं। ऐसे में भविष्य की योजनाओं को देखते हुए फिट नहीं बैठते। शमी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद से ही चोटिल होने के कारण एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला जिसके बाद उन्हें टी20 और फिर एकदिवसीय प्रारुप में जगह मिली। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम में शामिल थे पर फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण् टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी नहीं हो पायी। उन्हें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया हालांकि इसका कारण उनकी फिटनेस बताया गया है। वहीं इस दौरान प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप सिंह और अर्शदीप सिंह सहित कई युवा तेज गेंदबाज निकलकर आ गये। टीम प्रबंधन ने भी युवाओं को अधिक मौके देना बेहतर विकल्प माना है जिससे भी शमी की वापसी कठिन हो गयी।

इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप के अलावा हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी पुरी तरह से फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से इंकार कर दिया था। ऐसे में युवाओं को अवसर मिला जिसको उन्होंने पूरा लाभ उठाया। आकाशदीप ने इंग्लैंड दौरे के दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लिए। वहीं कृष्णा ने अंतिम टेस्ट में दोनो पारियों में चार-चार विकेट लिए।

आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। वहीं मुख्य तेज गेंदाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए। ऐसे में शमी के लिए जगह बनती नहीं दिखती है। शमी की वापसी इसीलिए भी संभव नजर नहीं आती क्योंकि उन्हें अधिकतर चोट की समस्या रहती है। वह 35 साल के होने जा रहे हैं। वहीं टीम प्रबंधन युवाओं को वरीयता दे रहा है। ऐसे में शमी अब शायद ही वापसी कर पायें।

सीएबी के अध्यक्ष बन सकते हैं गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली अब बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष बन सकते हैं। गांगुली इसके लिए चुनाव लड़ सकते हैं। गांगुली साल 2014 में सीएबी के सचिव रहे थे। वह साल 2019 में आम राय से बीसीसीआई अध्यक्ष बने थे। रिपोर्ट्स के अनुसार गांगुली पिछले कुछ माह से नियमित रूप से सीएबी के सदस्यों से बातचीत कर रहे हैं। सीएबी में भी गांगुली की वापसी को लेकर उत्साह का माहौल है। सीएबी के एक अधिकारी ने कहा, ' वह प्रशासन में लौटना चाहते हैं। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने का फैसला किया है। वहीं बीसीसीआई के संविधान के अनुसार उनके पास राज्य में कुल नौ साल में से पांच साल बचे हैं। ऐसे में वह सर्वसम्मति से चयनित होंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है।' वर्तमान में सीएबी अध्यक्ष गांगुली के बड़े भाई स्नेहाशीष हैं उनका छह साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है। इसके बाद उन्हें अनिवार्य कूलिंग-ऑफ टाइम के तहत पद छोड़ना पड़ सकता है। जिसके बाद सौरव पद संभाल सकते हैं

अगली योजना पर काम कर रहा हूं : बुमराह

सिराज की प्रशंसा न करने पर ट्रॉल भी हुए

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम की इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट में जीत के बाद मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुशी जतायी है और कहा है कि अब वह अपनी अगली योजना पर काम कर रहे हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 में से 3 ही मैच खेले थे। ओवल में हुए अंतिम मैच में भी वह टीम में नहीं थे। अंतिम मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 9 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। साथ ही कहा था कि अगर बुमराह भी साथ होते तो जीत की खुशी और बढ़ जाती। वहीं बुमराह ने लिखा, 'हम बेहद कड़े मुकाबले के बाद बराबरी पर रही रोमांचक टेस्ट सीरीज से अच्छी यादें लेकर आए हैं। अब मैं अपनी अगली योजना पर काम कर रहा हूं।' बुमराह इस पोस्ट के बाद कई ट्रोलर्स ने जबरन विवाद पैदा करने का काम भी किया। इन ट्रोलर्स का कहना था कि बुमराह ने अपनी पोस्ट में सिराज के प्रदर्शन की तारीफ नहीं की है। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में 23 विकेट लिए। ऐसे में सिराज के प्रशंसक उनकी फिटनेस और प्रदर्शन की प्रशंसा कर रहे हैं। वहीं बुमराह की गलतियां निकाल रहे हैं।

विक्टोरिया म्बोको ने कैनेडियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। कनाडा की युवा टेनिस खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको कैनेडियन ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। 18 साल की म्बोको ने नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6(4) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

म्बोको ने फाइनल में पहुंचने के साथ-साथ एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। वह ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में तीन पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियनों (रयबाकिना, कोको गॉफ, और सोफिया केनिन) को हराने वाली पहली कनाडाई खिलाड़ी बन गई हैं।

विक्टोरिया म्बोको इस प्रतिष्ठित इवेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली चौथी कनाडाई खिलाड़ी बनी हैं। उनसे पहले फेय अर्बन (1968 और 1969), विकी बर्नर (1969) और बियांका एंड्रीस्कू (2019) ने फाइनल में जगह बनाई थी। साथ ही म्बोको फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं।

म्बोको की वाइल्डकार्ड एंट्री हुई थी। ऐसे में वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट में एंट्री करने और ओपन ऐरा फाइनल में जगह बनाने वाली वह तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में मोनिका सेलेस (1995) और सिमोना हालेप (2015) ने फाइनल में जगह बनाई थी।

जीत से बेहद उत्साहित विक्टोरिया म्बोको ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'टाईब्रेकर में हर पाइंट मायने रखता है। मुझे इसका ध्यान था। मैं कोर्ट में ज्यादा से ज्यादा गेंदें डालना चाहती थी और जितना हो सके उतनी ताकत लगाना चाहती थी। मैच के दौरान बहुत तनावपूर्ण पल भी होते हैं, ऐसे में मैं खुद को शांत रखने की कोशिश भी कर रही थी और हमेशा आगे के पाइंट पर ध्यान केंद्रित कर रही थी।'

फाइनल में, म्बोको का मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता जापान की नाओमी ओसाका से होगा। ओसाका ने 2022 के बाद से अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000-स्तरीय फाइनल में जगह बनाई है। ओसाका ने नाइटकैप में 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन पर जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। म्बोको और ओसाका के बीच बेहद रोमांचक फाइनल होने की उम्मीद है, जो गुरुवार को खेला जाएगा।

लुइस सुआरेज और डी पॉल ने इंटर मियामी को लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया

फोर्ट लॉडरडेल। इंटर मियामी सीएफ ने टीम के तीसरे और अंतिम लीग कप 2025 चरण के एक मुकाबले में लीगा एमएक्स पुमास उनम पर 3-1 की जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। दिग्गज स्ट्राइकर लुइस सुआरेज की टीम की जीत में अहम भूमिका रही। सुआरेज ने एक गोल और दो असिस्ट के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने क्लब के लिए अपना पहला गोल किया और तादेओ अलेंदे ने गोल किया। उनम की तरफ से 34वें मिनट में जॉर्ज रुवाल्काबा ने एकमात्र गोल किया। यह मैच का पहला गोल था। इंटर मियामी की तरफ से पहला गोल 45वें मिनट में लगा। ये गोल डी पॉल ने लगाया। डी पॉल ने लुइस सुआरेज की लेफ्ट विंग से आई गेंद को सीने से रोका, फिर नीचे-दाएं कोने में एक बेहतरीन आउटसाइड-ऑफ-द-फुट फिनिश के साथ गोल किया। यह असिस्ट सुआरेज का टूर्नामेंट में पहला और 2025 में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 14वां था। सुआरेज ने 59वें मिनट में पेनेंका के पेनल्टी स्पॉट पर किए गए गोल के साथ इंटर मियामी के लिए स्कोरलाइन पलट दी। इस गोल के साथ ही इस सीजन में की प्रतियोगिताओं में उनके गोलों की संख्या 10 हो गई। अलेंदे ने 69वें मिनट में इंटर मियामी के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के लिए भी सुआरेज ने असिस्ट किया था। यह सीजन में अलेंदे का 11वां गोल था। सुआरेज का यह असिस्ट ऐतिहासिक रहा। इस असिस्ट के साथ उन्होंने क्लब के लिए एक सीजन में सर्वाधिक 15 असिस्ट के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 3-1 के स्कोर के साथ इंटर मियामी ने लीग्स कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

शाई होप की कप्तानी में पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज टीम

जमैका। वेस्टइंडीज ने शुक्रवार से पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए शाई होप की कप्तानी में अपनी अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। तीन मैचों की ये सीरीज त्रिनिदाद में खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड को टीम में शामिल किया गया है। शेफर्ड बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद पहली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय टीम में वापसी कर रहे हैं। वहीं 18 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू को भी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडियाह ब्लेड्स को भी टीम में शामिल किया गया है। ये एकदिवसीय सीरीज 8 अगस्त से शुरू होगी। टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी के अनुसार इस सीरीज से 2027 आईसीसी विश्व कप के लिए टीम को अपना आंकलन करने का अवसर मिलेगा। सैमी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम एक अलग तरह की चुनौती पेश करती है क्योंकि हमारा लक्ष्य 2027 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियां बरकरार रखना है।'

टीम इस प्रकार है : शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, जेडियाह ब्लेड्स, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रेव्स, आमिर जांगू, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

'हम इससे सीख सकते हैं', इंग्लैंड में भारत की यादगार सीरीज ड्रॉ पर बोले पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के रोमांचक उद्घाटन संस्करण के दौरान गौतम गंभीर और उनकी टीम की इंग्लैंड में मिली सफलता से बेहद खुश हैं। ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन मैच बेहद रोमांचक रहा। हिम्मत और हौसले की इस जंग में समीकरण दिन के उजाले की तरह साफ था। इंग्लैंड 374 रनों के लक्ष्य को हासिल करने से 35 रन पीछे रह गया, जबकि भारत को लंदन में सीरीज 2-2 से बराबर करने के लिए चार विकेट लेने थे।

भारत के खिलाफ मुश्किलें खड़ी होने के बावजूद मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने इंग्लैंड को धूल चटाने के लिए कड़ी मेहनत की। दूसरे छोर पर क्रिस वोक्स के कंधे की हड्डी टूटने के बावजूद गस एटकिंसन ने एक विकेट शेष रहते हुए सात रन की जरूरत तक समीकरण को सीमित कर दिया। सिराज की कोणीय यॉर्कर एटकिंसन के ऑफ स्टंप पर लगी और भारत ने सीरीज 2-2 से बराबर कर दी।

खुशी से फूले नहीं समा रहे सिराज ने जोश से दौड़ लगाई और अपना फेमस जश्न मनाया और जल्द ही उनके हमवतन खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। गंभीर ने सहायक कोच रयान टेन डोइशेट को गले लगा लिया और बाकी टीम भी तुरंत जश्न में शामिल हो गई। गंभीर ने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल को देखा और दोनों ने गर्मजोशी से एक-दूसरे को गले लगा लिया। इस लंबे कद के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी ने गंभीर को हवा में उठा लिया और भारतीय खिलाड़ी खुशी से दहाड़ उठा। वह मैदान पर गए, अपने कप्तान शुभमन गिल और बाकी खिलाड़ियों को गले लगाया, जबकि पूरी टीम ओवल में विजय रथ पर सवार थी।

कर्स्टन ने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं कि भारत ने सीरीज जीत ली, मेरा मतलब है कि सीरीज बराबर कर ली। यह भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है, और मैं गौतम गंभीर के लिए भी बहुत खुश हूं। वह जाने-माने हैं, और मैंने उनके साथ बहुत काम किया है, और टीम के साथ उन्होंने जो हासिल किया है, उससे मैं बहुत खुश हूं।'

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर, जो 2011 विश्व कप में टीम की जीत के दौरान टीम की कमान संभाल रहे थे, ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में एक मजबूत खेल संस्कृति है और कहा, 'मुझे लगता है कि भारत में भी एक मजबूत खेल संस्कृति है। हर देश किसी न किसी तरह से ऐसा करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि भारत के प्रति मेरा प्यार युवाओं के समग्र विकास में उनके विकास को देखना है। इसलिए हम जानते हैं कि भारत में शिक्षा काफी मजबूत है, और दक्षिण अफ्रीकी होने के नाते, हम इससे सीख सकते हैं।'

टी20 मैच : पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम को आयरलैंड ने 11 रन से हराया

डबलिन। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड के दौरे पर है। सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा है। क्लोनटॉर्फ क्रिकेट क्लब, डबलिन में खेले गए मैच में पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। उन्होंने इस फैसले को सही साबित करते हुए आयरलैंड को 19.4 ओवर में 142 रन पर समेटने में बड़ी भूमिका निभाई। आयरलैंड के लिए विकेटकीपर और ओपनर एमी हंटर ने सर्वाधिक 37 रनों की पारी खेली। 30 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 5 चौके लगाए। इसके अलावा ओरला प्रेंडरगास्ट ने 29, लिह पॉल ने 28 रन बनाए। 6 बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 4 विकेट लिए। सादिया इकबाल, दायना बेग, रमीन शमीम, और नशरु संधू ने 1-1 विकेट लिए। 143 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 42 स्कोर पर टीम ने अपने 4 शुरुआती विकेट गंवा दिए। इन शुरुआती झटकों से टीम कभी उबरती हुई नहीं दिखी और 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 131 रन ही बना सकी और 11 रन से मैच हार गई। पाकिस्तान के लिए नतालिया परवेज 29 और रमीन शमीम 27 शीर्ष स्कोरर रहीं। आयरलैंड के लिए ओरला प्रेंडरगास्ट ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। जेन मैगुरे को 2, अवा कैनिंग, कारा मरे और लारा मैक्ब्रिड को 1-1 विकेट मिले।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है–

कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ–साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ–साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जेक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा–3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है– डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी–फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा–कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा–कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई–सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

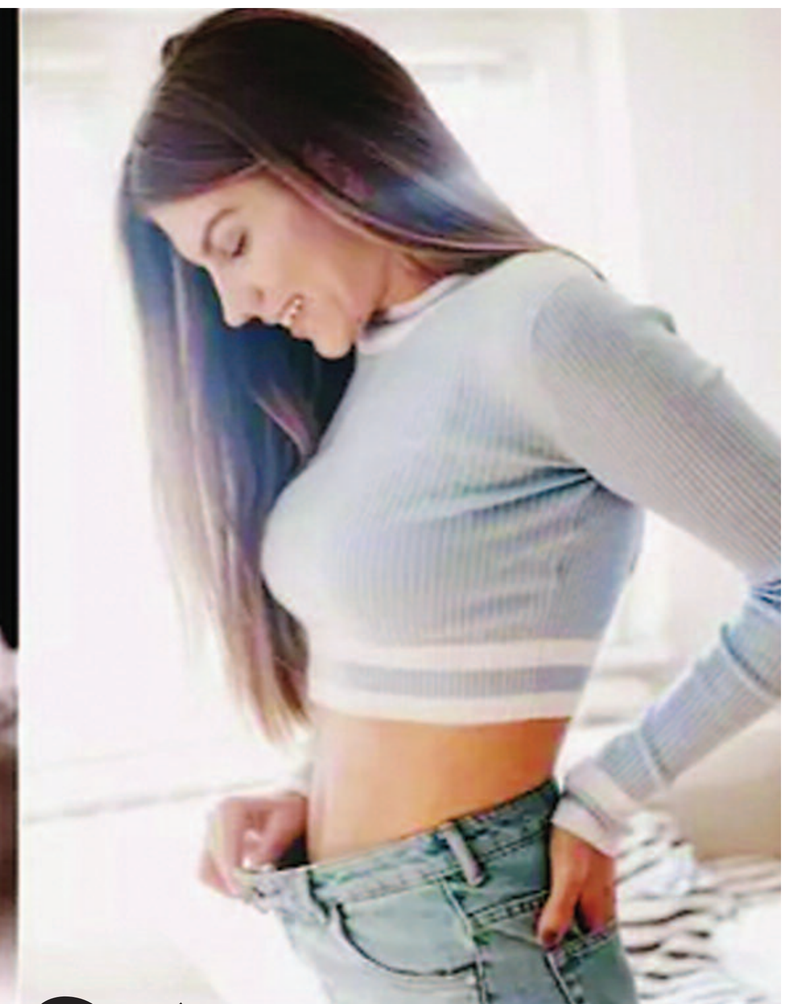

अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलजिम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार के बच्चों के भविष्य के लिए दीजिए वोट : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसी)। बिहार के जमालपुर में जन सुराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर ने रामपुर फुटबॉल मैदान में आयोजित बदलाव सभा को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अगला वोट जाति, धर्म या चेहरों को देखकर नहीं, बल्कि अपने बच्चों की पढ़ाई और रोजगार के भविष्य को ध्यान में रखकर दें। प्रशांत किशोर ने आरजेडी प्रमुख लालू यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उनके बेटे 9वीं पास नहीं हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि उनका बेटा बिहार का मुख्यमंत्री बने। दूसरी ओर, आम लोगों के बच्चे एमए और बीए करने के बावजूद बेरोजगार हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या जनता को अपने बच्चों की चिंता नहीं है? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि लोगों ने मोदी को पाकिस्तान पर बम गिराने की उम्मीद में वोट दिया, लेकिन बिहार के बच्चों का सीना भूख से 15 इंच का रह गया है। उन्होंने कहा कि मोदी, लालू और नीतीश जैसे चेहरों को देखकर वोट दिया गया, लेकिन अब वक्त है कि जनता अपने बच्चों के भविष्य के लिए फैसला करे। प्रशांत किशोर ने भरोसा जताया कि आने वाले चुनाव में जनता शिक्षा और रोजगार को प्राथमिकता देगी और जाति-धर्म की राजनीति को पीछे छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि बिहार को आगे बढ़ाने का रास्ता सिर्फ जनहित के मुद्दों से होकर गुजरता है।

बीजापुर में मुठभेड़ में एक माओवादी ढेर- 9 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर (एजेंसी)। नक्सली मुक्त अभियान के तहत बीजापुर में बड़ी कामयाबी मिली है। यहां 24 लाख रुपए के इनामी सहित 9 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इसके अलावा, मुठभेड़ में एक माओवादी के मारे जाने की खबर है। यह जानकारी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, हमारा छत्तीसगढ़ नक्सल उन्मूलन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह संभव हो रहा है सुरक्षाबलों के अदम्य साहस और भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री के पद पर सेवा देने वाले अमित शाह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2023 से अब तक राज्य में करीब 450 माओवादी मारे जा चुके हैं, 1,579 को गिरफ्तार किया गया है, और 1,589 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। मुख्यमंत्री साय ने इस सफलता का श्रेय सुरक्षाबलों के साहस, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व और स्थिर नीति को दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ सरकार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मंशा के अनुरूप, 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का मानना है कि इससे आने वाले समय में छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त राज्य बन सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमित शाह के कार्यकाल को देश की आंतरिक सुरक्षा का एक नया युग कहा जा सकता है, जिसमें अनुच्छेद 370 की समाप्ति हो या नक्सलवाद और आतंकवाद पर सख्त कार्रवाई, सभी फैसले देश को सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज बस्तर की तस्वीर बदल रही है। जहां पहले बंदूकें बोला करती थीं, अब वहां विकास की आवाज सुनाई दे रही है। आत्मसमर्पण कर रहे नक्सली अब मुख्यधारा में लौटकर जीवन सुधारने की ओर अग्रसर हैं।

पुलिस अफसर को थप्पड़ मारने के मामले में पूर्व विधायक हर्षवर्धन को एक साल की जेल

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर की एक कोर्ट ने 2014 में एक पुलिस अधिकारी को थप्पड़ मारने के मामले में पूर्व विधायक हर्षवर्धन रायभान जाधव को एक साल जेल की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर जे राय ने भाजपा के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के दामाद जाधव ने नागपुर के एक पुलिस निरीक्षक को थप्पड़ मारने के मामले में बुधवार को यह सजा सुनाई। जाधव महाराष्ट्र विधानसभा में कन्नड़ निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह शिवसेना, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिव स्वराज्य पक्ष के सदस्य भी रहे हैं। सोनेगांव पुलिस थाने के अधिकारियों ने पहले बताया था कि हर्षवर्द्धन जाधव ने दिसंबर 2014 में एक होटल में तत्कालीन शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई बैठक में निरीक्षक पराग जाधव को कथित तौर पर थप्पड़ मारा था। उन्हें पहले भी अस्थायी जमानत दी गई थी लेकिन वह सुनवाई में नहीं पहुंचे जिसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस जिले में जुलाई 2024 में भोले बाबा के सत्संग के दौरान भगदड़ मचने के मामले में सभी 11 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया और उनके खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय किए गए। मीडिया रिपोर्ट में एक वकील के हवाले से जानकारी दी। इसके साथ ही कोर्ट में मामला सबूत पेश करने के चरण में पहुंच गया है और मुकदमे की सुनवाई शुरू होना है। बचाव पक्ष के वकील ने बताया कि अगली सुनवाई 18 अगस्त को तय की गई है।

जिला कोर्ट में पहले पेश किए गए एसआईटी के आरोप-पत्र के आधार पर आरोप तय किए गए हैं। स्वयंभू संत सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग के दौरान 2 जुलाई 2024 को सिकंदराराऊ इलाके में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस घटना के लिए भोले बाबा के करीबी सहयोगी और सेवादार देवप्रकाश मधुकर समेत 11 लोगों को आरोपी बनाया था। इस मामले में भोले बाबा का नाम आरोपियों में शामिल नहीं है। आरोपियों के वकील ने पुष्टि की कि बुधवार को औपचारिक रूप से आरोप पत्र पढ़ा गया। उन्होंने कहा कि मामला अब सबूत पेश किए जाने के चरण में है। अभियोजन पक्ष अपने गवाह पेश करेगा और जिरह होगी। सभी 11 आरोपी कोर्ट में मौजूद थे और सभी जमानत पर बाहर हैं। वकील ने बताया कि कोर्ट ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। उन्होंने बचाव पक्ष के इस दावे को भी दोहराया कि यह एक आकस्मिक मामला था। वकील ने आरोप लगाया कि पुलिस ने अपनी लापरवाही छिपाने के लिए मनगढ़ंत मामला दर्ज किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगा दी फटकार, आप सालों विचाराधीन कैदी बनाकर जेल में रखते

विरोधी दलों का आरोप, ईडी बदले की भावना से कार्य कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष लगातार कहता रहा हैं कि ईडी बदले की भावना से कार्य कर रही है। अब विरोधी दलों की इसी मंशा के अनुरुप सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई के दौरान ईडी से तीखा सवाल किया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कार्यशैली और दोषी ठहराने को लेकर सवाल खड़ा किया है। सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के दौरान कहा, आप उन आरोपियों को भी सालों तक जेल में रखने में सफल रहे हैं, जिन्हें अदालतों ने दोषी नहीं ठहराया। यह तीखा सवाल चीफ जस्टिस बीआर गवई की विशेष पीठ ने उठाया है।

यह सुनवाई उस फैसले से जुड़ी थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2 मई को भूषण पावर एंड स्टील को बंद करने का आदेश दिया था और जेएसडब्ल्यू स्टील की खरीदने की योजना को खारिज किया था। इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ईडी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को बताया कि ईडी ने अब तक 23,000 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग को पकड़कर पीड़ितों में वितरित किया है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में इतना ज्यादा कैश मिला कि ईडी की गिनती करने वाली मशीनें खराब हो गईं। लेकिन इन तथ्यों के बीच सीजेआई गवई ने सीधे सवाल दागा आपके मामलों में दोषसिद्धि दर क्या है?÷ इसपर एसजी ने कहा कि आईपीसी के तहत भी दोषसिद्धि की स्थिति निराशाजनक है, कई बार लोग आश्चर्यचकित होते हैं कि कुछ आरोपी कैसे बरी हो जाते हैं।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ÷अगर ईडी की जांच में आरोपी दोषी नहीं ठहराए जाते, तब भी वे सालों तक विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में रहते हैं।

इस पर ईडी ने शिकायत की कि उसके खिलाफ यूट्यूब चैनलों और मीडिया इंटरव्यू के जरिए एक नकारात्मक 'नैरेटिव' गढ़ा जा रहा है। इस पर सीजेआई ने कहा, ÷जज किसी तथाकथित नैरेटिव निर्माण के प्रभाव में आकर मामलों का फैसला नहीं करते।

कैश कांड : सुप्रीम कोर्ट ने नहीं सुनी जस्टिस वर्मा की कोई दलील, याचिका की खारिज

-वर्मा ने महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश को दी थी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कैश कांड को लेकर जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका खारिज कर दी। कैश कांड में जस्टिस वर्मा सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। जस्टिस वर्मा ने कैश कांड में जांच प्रक्रिया को रोकने के लिए याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा की कोई दलील नहीं सुनी और उनकी अर्जी खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आंतरिक तीन न्यायाधीशों की जांच समिति की रिपोर्ट और पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश को चुनौती दी थी। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई को कहा था कि आपका आचरण बहुत कुछ कहता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आचरण आत्मविश्वास को प्रेरित नहीं करता। उन पर आरोप है कि उनके घर पर कैश मिला था। इस मामले में एक कमेटी ने जांच की थी और अपनी रिपोर्ट पेश की थी। जस्टिस वर्मा इस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच मामले में सुनवाई कर रही थी। पीठ ने जस्टिस वर्मा के वकील से पूछा कि अगर उन्हें लगता था कि कमेटी के पास जांच करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है तो वह कमेटी के सामने क्यों पेश हुए।

अमेरिका ने दी चीन को छूट और भारत पर लगाया टैरिफ, यह दोस्ती नहीं

-कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्रंप के दोहरे रवैया पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के भारत पर 25फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने के फैसले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे दोहरा मापदंड करार देते हुए कहा कि इससे भारतीय उत्पाद अमेरिका में असहनीय रूप से महंगे हो जाएंगे और भारत-अमेरिका रिश्तों पर इसका असर पड़ेगा। थरूर ने सवाल उठाया कि चीन भारत से ज्यादा रूसी तेल आयात कर रहा है, फिर भी अमेरिका ने चीन को 90 दिन की छूट दी है, जबकि भारत पर तत्काल प्रभाव से टैरिफ लगा दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में थरूर ने कहा कि यूरेनियम, पैलेडियम जैसे कई उत्पाद अमेरिका रूस से आयात करता है। फिर भी भारत को टारगेट किया गया। यह किसी दोस्त देश की दोस्ती नहीं लगती। थरूर ने चेताया कि इससे भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों में खटास पैदा हो सकती है और भारत में अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की मांग उठ सकती है। उन्होंने कहा कि अब भारत में भी दबाव होगा कि अमेरिका के निर्यात पर समान टैरिफ लगाए जाएं। हमें अब अन्य व्यापारिक साझेदारों की ओर देखना होगा।

थरूर ने कहा कि अमेरिकी बाजार में अब भारतीय वस्तुएं 50फीसदी टैरिफ के कारण महंगी बिकेंगी, जिससे पाकिस्तान (19फीसदी), बांग्लादेश (20फीसदी), वियतनाम (20फीसदी) जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा में भारत पिछड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग सबसे सस्ती चीज की ओर रुख करेंगे और यह टैरिफ हमारी कीमतों को ऊपर ले जाएगा। वहीं, गुरूवार को पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा और इसके लिए वह कोई भी कीमत चुकाने को तैयार है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए किसानों का हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि मुझे व्यक्तिगत रूप से इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी और मैं इसके लिए तैयार हूं। उनका यह बयान ट्रंप के टैरिफ वार के बीच आया है।

चुनाव आयोग के 4 अधिकारियों को हटाने के आदेश को नहीं मानेगी ममता... अब आगे क्या होगा इस विवाद में

कोलकत्ता (एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच 4 अधिकारियों को हटाने के मुद्दे पर विवाद पैदा हो गया है। दरअसल चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 4 अधिकारियों को मतदाता सूची में कथित तौर पर अनियमितताएं बरतने के आरोप में हटाने का आदेश दिया है। इन अधिकारियों पर फर्जी नाम जोड़ने, डेटा सुरक्षा का उल्लंघन करने और अनधिकृत व्यक्तियों के साथ लॉगिन क्रेडेंशियल्स साझा करने का आरोप है। आयोग ने इन अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और विभागीय कार्रवाई शुरू करने का निर्देश भी दिया है।

इस पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के आदेश का पालन करने से साफ इंकार कर दिया है। ममता दीदी का तर्क है कि चुनाव में अभी काफी समय है और इसतरह समय में इस तरह की कार्रवाई करने का कोई कानूनी आधार नहीं है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम करने का आरोप लगाकर भाजपा का बांडेड लेबर तक कह डाला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को लागू करने की एक छिपी हुई साजिश है। ममता ने कहा है कि वह राज्य के अधिकारियों की रक्षा करेंगी और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होने देंगी।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, चुनाव आयोग को चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति प्राप्त है। इस शक्ति के तहत, आयोग को चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है। इसमें मतदाता सूचियों को सही और अद्यतन रखना भी शामिल है। चुनाव आयोग के पास यह अधिकार है कि वह चुनाव ड्यूटी पर तैनात किसी भी अधिकारी को हटाने या स्थानांतरित करने का आदेश दे सकता है यदि आयोग को लगता है कि वह अधिकारी अपनी ड्यूटी सही ढंग से नहीं निभा रहा है या किसी भी तरह से पक्षपात कर रहा है। यह शक्ति चुनाव आयोग को चुनाव की घोषणा के बाद ही नहीं, बल्कि चुनाव प्रक्रिया की तैयारी के दौरान भी होती है। मतदाता सूचियों की तैयारी भी इसी प्रक्रिया का

हिस्सा है। चुनाव आयोग के पास अपने नियमों और विनियमों के अनुसार काम करने की शक्ति होती है, जो निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के लिए जरुरी हैं। जब किसी अधिकारी पर मतदाता सूची में गड़बड़ी करने जैसे गंभीर आरोप लगते हैं, तो चुनाव आयोग को कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है।

ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है : नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर ''राज्य पुलिस की मौजूदगी में'' हुए हमले के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बृहस्पतिवार को आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह घटना राज्य में उनकी सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने को दर्शाती है। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अराजकता और राजनीतिक हिंसा की इस संस्कृति को बढ़ावा देने'' के लिए ममता बनर्जी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर निकाली गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली पर कुछ लोगों ने बुधवार को कथित रूप से पथराव किया और काले झंडे दिखाए। भाजपा ने इस घटना के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। नड्डा ने कहा, ''मैं पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार में तृणमूल के गुंडों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि यह हमला राज्य पुलिस की मौजूदगी में हुआ जो ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने की बात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि यह केवल एक निर्वाचित प्रतिनिधि पर हमला नहीं बल्कि लोकतंत्र पर भी हमला है। नड्डा ने कहा कि उन्होंने अधिकारी से बात की और स्थिति का जायजा लिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''अगर पश्चिम बंगाल में विपक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की दुर्दशा की केवल कल्पना ही की जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर की 4 राज्यसभा सीटें हैं खाली, असमंजस में चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटें फरवरी 2021 से खाली हैं। इसने एक संवैधानिक सवाल को जन्म दिया है जिसके लिए राष्ट्रपति का परामर्श मांगा जा सकता है। इसका कारण यह है कि वहां हाल के वर्षों में लगातार आपातकाल लगने के कारण उच्च सदन में प्रतिनिधित्व प्रभावित हुआ है। सभी चार राज्यसभा सांसद अपने छह वर्ष के कार्यकाल पूरा करने के बाद एक साथ रिटायर हो गए। अनुच्छेद 83 में निर्धारित रोटेशन के अनुसार हर दो वर्ष में ऐसा होना था।

पंजाब और दिल्ली की सीटों का मामला भी यही है, जहां सभी राज्यसभा सदस्य हर दो वर्ष में सेवानिवृत्त होने के बजाय एक साथ रिटायर हो रहे हैं। चुनाव आयोग भी इस मुद्दे पर दुविधा में है। रिपोर्ट के मुताबिक, जल्द ही राष्ट्रपति से इस मामले पर परामर्श मांगा जा सकता है। आपको बता दें कि अनुच्छेद 143 के तहत चुनाव आयोग के पास राष्ट्रपति से परामर्श मांगने की शक्ति है।

जम्मू-कश्मीर में यह हालात 1990 में लगाए गए आपातकाल के कारण उत्पन्न हुआ। जो कि छह वर्षों तक चला। वहां के सभी राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल एक साथ पूरा हुआ। जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी चार राज्यसभा सदस्यों ने फरवरी 2021 में अपना कार्यकाल पूरा किया। उनमें गुलाम नबी आजाद और नजीर अहमद लावे ने 15 फरवरी को अपना कार्यकाल पूरा किया, जबकि मीर मुहम्मद फैयाज और शमशेर सिंह मानहास का कार्यकाल 10 फरवरी को समाप्त हुआ। इसके कारणसे रोटेशन का सिद्धांत प्रभावित हुआ। यदि चुनाव आयोग चार रिक्त सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव की घोषणा करता है तो उनका कार्यकाल फिर से एक साथ खत्म होगा, जो कि अनुच्छेद 83 के तहत ठीक नहीं है।

इसी तरह, 1987 तक लगातार आपातकाल लगने के कारण पंजाब की सभी सात राज्यसभा सीटें 2016 में एक साथ खाली हुईं, जिससे राज्यसभा सदस्यों के हर दो वर्ष में रिटायर होने का सूत्र बाधित हुआ। अप्रैल-जुलाई 2022 में निर्वाचित इसके सभी छह वर्तमान राज्यसभा सांसद अप्रैल-जुलाई 2028 में रिटायर होंगे। दिल्ली को भी इसी हालात का सामना करना पड़ रहा है, जहां सभी तीन राज्यसभा सीटें एक साथ भरी गई हैं। दिल्ली के सभी तीन राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल, संजय सिंह और नारायण दास गुप्ता का 28 जनवरी 2024 को चुनाव हुआ था, 27 जनवरी 2030 को रिटायर होंगे।

अभी भी खींचे जा रहे हाथ से रिक्शे तत्काल इनकी जगह ई-रिक्शे चलाएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को माथेरान में छह महीने के भीतर इस हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शे बंद करने और इसकी जगह ई-रिक्शा चलाए जाने का निर्देश दिया। राज्य सरकार को निर्देश दिया गया कि वह माथेरान में स्थानीय लोगों को ई-रिक्शा किराए पर देने की संभावना तलाशे, जैसा कि गुजरात के अधिकारियों ने केवडिया में किया था।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा, भारत जैसे विकासशील देश में ऐसी प्रथा की अनुमति देना, जो मानव की गरिमा की मूल अवधारणा के खिलाफ है, सामाजिक और आर्थिक न्याय के संवैधानिक वादों को कमतर करता है। इसके साथ ही पीठ ने माथेरान में हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा पर पूरी तरह से रोक लगाने का आदेश दिया। माथेरान एक पर्वतीय पर्यटन स्थल है जहां काफी संख्या में पर्यटक जाते हैं। गुजरात के केवडिया में सरदार पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा नर्मदा नदी के साधु बेट द्वीप पर स्थित है और अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को ई-रिक्शा किराये पर दिए हैं। पीठ ने आजादी के 78 साल और संविधान लागू होने के 75 साल बाद भी हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा के इस्तेमाल की प्रथा की निंदा की और इसे अमानवीय करार दिया।

शीर्ष अदालत ने 'आजाद रिक्शा चालक संघ बनाम पंजाब राज्य' मामले में 45 साल पुराने फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि साइकिल-रिक्शा संविधान की प्रस्तावना में सामाजिक न्याय के संकल्प के अनुरूप नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने दुख जताते हुए कहा, 'यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजाद रिक्शा चालक संघ मामले में इस अदालत द्वारा की गई टिप्पणी के 45 साल बाद भी माथेरान में एक इंसान द्वारा दूसरे इंसान को खींचने की प्रथा अब भी जारी है।

हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा को छह महीने के भीतर चरणबद्ध तरीके से हटाने का निर्देश देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने दस्तूरी नाके से शिवाजी प्रतिमा तक कंक्रीट के ब्लॉक बिछाने का आदेश दिया।

राष्ट्रपति भवन में रक्षाबंधन की शुरुआत डॉ राजेंद्र प्रसाद के कार्यकाल से हुई शुरु

-तब से आज तक जारी है सिलसिला, सभी राष्ट्रपतियों ने अपने तरीके से मनाया पर्व

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन में रक्षाबंधन मनाने की शुरुआत भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के दौर में शुरू हुई थी। उनके कार्यकाल (1950-1962) में रक्षाबंधन को राष्ट्रपति भवन में औपचारिक रूप से आयोजित किया गया था। राष्ट्रपति भवन के काम करने वालों की बेटियां उन्हें राखी बांधती थीं। बदले में डॉ राजेंद्र प्रसाद उन सबको उपहार देते थे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राखी बंधवाने के बाद चले जाते पर उनकी पत्नी राजवंशी देवी बेटियों और उनके अभिभावकों के साथ बातचीत करती थीं। उन्हें सब मां जी कहते थे।

उस वक्त राष्ट्रपति भवन में रहे लोग बताते हैं कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद के परिवार की बेटियां कनॉट प्लेस के पास राजा बाजार के रघुमल कन्या विद्यालय में पढ़ती थीं। रक्षाबंधन पर उन बेटियों की कई सहेलियां भी राष्ट्रपति भवन आकर राष्ट्रपति को राखी बांधती थीं। राखी का आयोजन सादगीपूर्ण होता था, जिसमें गोल मार्केट या बंगाली मार्केट की पारंपरिक मिठाइयों का आदान-प्रदान होता था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद के बाद जो भी राष्ट्रपति बने उन्होंने भी इस परंपरा को अपने-अपने तरीके से जारी रखा।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में बेटियों के साथ रक्षाबंधन मनाते थे। राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा रक्षाबंधन पर अपने निजी स्टाफ के साथ कुछ वक्त जरूर बिताते थे। उसके बाद वे राष्ट्रपति भवन के अंदर चलने वाले स्कूली बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाते थे। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम 2002 से 2007 तक राष्ट्रपति पद पर रहे। वह राष्ट्रपति भवन के स्टाफ की कन्याओं से राखी बंधवाते थे। राखी बंधवाने और उपहार देने के बाद वह उनसे उनके स्कूल और कॉलेज में कोर्स के बारे में भी सवाल पूछते थे।

राष्ट्रपति भवन में रक्षाबंधन का आयोजन अब एक स्थायी उत्सव बन गया है। इसका यहां रहने वाली बेटियों को इंतजार रहता है। इसमें स्कूली बच्चियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न समुदायों की महिलाओं को भी आमंत्रित किया जाता है। 2020 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में नर्सिंग समुदाय के सदस्यों के साथ रक्षाबंधन मनाया था। नर्सों ने राष्ट्रपति को राखी बांधी और उसके बाद कोविड-19 महामारी से निपटने के अपने अनुभव साझा किए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हिजबुल्ला को साल के अंत तक छोड़ने होंगे हथियार

बेरूत, एजेंसी। लेबनान सरकार ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को सेना से कहा कि वह एक ऐसी योजना बनाए, जिससे साल के अंत तक सिर्फ सरकारी संस्थाओं के पास ही हथियार हों। सरकार के इस कदम का उद्देश्य उग्रवादी समूह हिजबुल्ला को निरस्त्र करना है। यह फैसला प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने लगभग छह घंटे तक चली कैबिनेट मीटिंग के बाद लिया। यह घोषणा हिजबुल्ला के एक नेता के बयान के बाद आई, जिसमें उन्होने कहा था कि उनका समूह हथियार नहीं छोड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई तो वे इस्राइल पर मिसाइल हमला कर सकते हैं। पीएम सलाम ने कहा कि सेना को इस महीने के अंत तक एक योजना बनाकर सरकार के सामने पेश करनी होगी। सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब लेबनान पर हिजबुल्ला को निरस्त्र करने का अमेरिकी दबाव है। अमेरिका चाहता है कि लेबनान सरकार हिजबुल्ला को हथियार छोड़ने के लिए मजबूर करे, खासकर तब जब यह समूह हाल ही में इस्राइल से 14 महीने लंबा युद्ध लड़ चुका है और काफी हद तक कमजोर हो चुका है। यह फैसला अमेरिकी दूत टॉम बैरक की जुलाई में हुई यात्रा के बाद लिया गया है, जिन्होंने ईरान समर्थित समूह को निरस्त्र करने के लिए लेबनान से ठोस कदम उठाने की अपील की थी। मंगलवार दोपहर (स्थानीय समयानुसार) हिजबुल्ला नेता नईम कासेम ने हथियार छोड़ने की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका समूह अपने हथियार किसी भी हालत में नहीं छोड़ेगा और इस पर कोई समय सीमा नहीं मानी जाएगी।

श्रीलंका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में अवैध रूप से रहने के आरोप में 11 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं, जिनकी उम्र 22 से 43 साल के बीच बताई जा रही है। श्रीलंकाई पुलिस ने मंगलवार को बताया कि ये सभी लोग वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी द्वीपीय देश में ठहरे हुए थे और यहां जुआ खेल रहे थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अवैध रूप से रह रहे लोगों के बारे में गुप्त सूचना के आधार पर थलंगामा के अकुरेगोडा क्षेत्र में सोमवार रात पुलिस ने छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने गिरफ्तार किए आरोपियों के पास से लगभग 20 मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप और एक कंप्यूटर जब्त करने का भी दावा किया है।

पाकिस्तान में थाने पर ड्रोन से फेंका बम

बन्नू, एजेंसी। आतंकवादियों ने मंगलवार को उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के बन्नू जिले में एक पुलिस स्टेशन पर ड्रोन से हमला किया है। पुलिस के अनुसार, आतंकवादियों ने एक क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल करके एक आईईडी गिराया, जो पुलिस स्टेशन के प्रांगण में गिरा, लेकिन फट नहीं सका। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर तैनात किया गया और उसने उपकरण को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ।

चीनी विशेषज्ञ बोले- चीन की कीमत पर अमेरिका से मजबूत संबंध नहीं बनाएगा पाकिस्तान

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध मजबूत हुए हैं। वहीं चीनी रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस्लामाबाद, बीजिंग के वैश्विक प्रभाव को नियंत्रित करने की अमेरिकी रणनीति को समझता है। पिछले महीने, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने फील्ड मार्शल का पदभार ग्रहण करने के बाद चीन की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की। उनकी यह यात्रा वाशिंगटन की पांच दिवसीय यात्रा के तुरंत बाद हुई, जहां उन्होंने ट्रंप के साथ एक निजी लंच में भाग लिया था। उस बैठक में तेल सौदे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-पाकिस्तान सहयोग बढ़ाने की घोषणा हुई। हाल ही में इकोनॉमिस्ट के एक लेख के अनुसार, जनरल मुनीर की अमेरिकी यात्रा, अमेरिकी विदेश नीति में एक बदलाव का प्रतीक है।

सिंधु डेल्टा डूबा, 80 फीसदी पानी खत्म

40 गांव उजड़े, 12 लाख विस्थापित

कराची, एजेंसी।
पड़ोसी देश पाकिस्तान इन दिनों एक कुदरती कहर की मार झेल रहा है। देश के दक्षिणी हिस्से में सिंधु डेल्टा उजड़ चुका है। हालात ये हैं कि वहां से लोगों का पलायन जारी है और बसे-बसाए करीब 40 गांव वीरान पड़ गए हैं और इसी के साथ सिन्धु डेल्टा में एक बसी बसाई सभ्यता उजड़ चुकी है। दरअसल, ये दर्दनाक कहानी है सिंध प्रांत के दक्षिणी छोर पर अरब सागर से सटे सिंधु डेल्टा में बसे उन गांवों की जहां के लोग परंपरागत रूप से खेतीबारी करने और मछली पकड़ने का काम करते थे लेकिन हाल के कुछ वर्षों में समुद्री जल ने वहां अतिक्रमण किया है और सबकुछ नष्ट कर दिया है।

अब इन गांवों से करीब 12 लाख लोग पलायन कर चुके हैं। उनमें से अधिकांश कराची में आकर बसे हैं। पिछले दिनों कराची पलायन करने वाले हबीबुल्लाह खट्टी खारो चान कस्बे के अपने पुश्तैनी गांव मीरबहार में अपनी मां की कब्र पर उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे थे, क्योंकि उनका गांव अब समंदर की आगोश में समाता जा रहा है। जहां उनकी मां की कब्र है, वहां अब समुद्री नमक का साम्राज्य है। जब वह अपनी मां की कब्र पर पहुंचे तो उनके पैरों पर नमक की मोटी चादर चढ़ चुकी थी। यह गांव सिंधु डेल्टा में उस जगह से करीब 15 किलोमीटर दूर है, जहां सिंधु नदी अरब सागर में मिलती है।

हबीबुल्लाह के मुताबिक, खारो चान में 40 गांव हुआ करते थे लेकिन बढ़ते समुद्री जल के कारण अब अधिकांश लुप्त हो चुके हैं। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार उस कस्बे की आबादी 1981 में 26000 के करीब थी जो 2023 में घटकर 11,000 रह गई है। हबीबुल्लाह खट्टी अब अपने परिवार के साथ कराची में बसने जा रहे हैं। उनकी तरह इस डेल्टा से करीब 12 लाख लोगों ने पलायन किया है। थिंक टैंक जिन्ना इन्स्टीट्यूट द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में सिंधु डेल्टा से करीब 12 लाख लोग पलायन कर चुके हैं। यूएस-पाकिस्तान सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज़ इन वॉटर द्वारा 2018 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, सिंचाई नहरों, जलविद्युत बांधों और हिमनदों व बर्फ पिघलने पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण 1950 के दशक से अब तक सिंधु डेल्टा में पानी का बहाव 80 फीसदी कम हो चुका है। इस कारण से डेल्टा में समुद्री जल का विनाशकारी प्रवेश हुआ है और आसपास के गांवों को अपनी चपेट में ले लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1990 के बाद से डेल्टा के पानी की लवणता लगभग 70 फीसदी बढ़ गई है, जिससे वहां फसलें उगाना अब असंभव हो गया है और झींगा मछली और केकड़े की प्रजाति नष्ट हो चुकी है। तिब्बत से शुरू होकर, सिंधु नदी पूरे पाकिस्तान में बहने से पहले कश्मीर से होकर बहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया है। इसकी वजह से भी सिंदु में पानी का बहाव कम हो गया है। यह नदी और इसकी सहायक नदियाँ देश के लगभग 80 फीसदी कृषि भूमि की सिंचाई करती हैं और लाखों लोगों की आजीविका का साधन हैं। सिंधु नदी द्वारा समुद्र में मिलने से पहले दोनों छोरे पर जमा किए गए समृद्ध तलछट से निर्मित यह डेल्टा कभी खेती, मछली पकड़ने, मैंग्रोव और वन्यजीवों के लिए आदर्श हुआ करता था।

यूट्यूब ने आंखें मूंद ली हैं..., बाल यौन शोषण पर ऑस्ट्रेलिया में सख्ती; गूगल और मेटा को भेजा नोटिस

केपटाउन, एजेंसी। इंटरनेट पर नजर रखने वाली ऑस्ट्रेलिया की एक कंपनी ने यूट्यूब समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों से जुड़ी यौन सामग्री को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यूट्यूब से जब इसपर सवाल पूछा गया, तो उसकी तरफ से कोई जवाब सामने नहीं आया। इस मामले में यूट्यूब ने आंखे मूंद ली हैं।

ऑस्ट्रेलिया में बुधवार को जारी हुई रिपोर्ट में ई-सेफ्टी कमिश्नर ने कहा, एप्पल और यूट्यूब पर बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट के खिलाफ कई शिकायतें की गईं, मगर उन्होंने इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

पिछले हफ्ते बच्चों के लिए यूट्यूब पर प्रतिबंध लगाने वाला ऑस्ट्रेलिया दुनिया का पहला देश बन गया है। ई-सेफ्टी की सलाह के बाद ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने यह फैसला लिया था। ई-सेफ्टी की कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट के अनुसार,

अगर इन कंपनियों को आजाद छोड़ दो तो वो बच्चों से जुड़े संवेदनशील कंटेंट को भी नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसा लगता है जैसे बाल यौन शोषण पर पूरी तरह से आंख मूंद लेती हैं।

बता दें गूगल और मेटा जैसी कंपनिया भी बाल यौन शोषण पर प्रतिबंध लगाने का दावा कर चुकी हैं। गूगल ने पहले ही साफ कर दिया था ऐसी चीजों की पहचान कर उन्होंने फौरन हटा दिया जाता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स की पेरेंट कंपनी मेटा ने भी इस तरह के ग्राफिक वीडियो पर बैन लगाने की घोषणा की थी। ऑस्ट्रेलिया के ई-सेफ्टी कमिश्नर ने एप्पल, मेटा, गूगल, डिस्कॉर्ड, माइक्रोसॉफ्ट, स्काइप, व्हाट्सएप और स्नैप चैट को नोटिस भेजा है। इन सभी कंपनियों को बाल यौन शोषण के खिलाफ उठाए गए कदमों की रिपोर्ट पेश करनी होगी।

उसने कहा- 'मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा' और फिर सात साल तक लाश के साथ रहा, मरीज के प्यार में पागल हुआ डॉक्टर

फ्लोरिडा, एजेंसी।
ये कोई हॉरर फिल्म की कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है- अमेरिका के फ्लोरिडा में 1930 के दशक में घटी ये घटना आज भी लोगों को हैरान कर देती है। यह कहानी है कार्ल टैज्लर नाम के रेडियोलॉजिक टेक्नीशियन की, जिसकी ज़िंदगी में एक दिन एक युवती आई--एलेना डी होयोस 22 साल की एलेना को टीबी था और इलाज के लिए वह मरीन अस्पताल में भर्ती हुई थी, जहां टैज्लर ने उसका इलाज शुरू किया।

कार्ल टैज्लर खुद को एक काउंट बताता था। उसका दावा था कि उसने बचपन में एक सपना देखा था जिसमें एक काले बालों वाली सुंदर महिला उसकी 'सच्ची प्रेमिका' बनी थी। जब उसने एलेना को देखा, तो उसे यकीन हो गया कि यही वही लड़की है। उसने एलेना को बचाने की कोशिश की- घरेलू टॉनिक, अजीब मशीनें और ढेरों इलाज के बहाने। लेकिन ये कोशिशें बेकार रहीं और 25 अक्टूबर 1931 को एलेना की मृत्यु हो गई।

एलेना के परिवार की माली हालत ठीक नहीं थी, इसलिए टैज्लर ने खुद उसकी अंतिम क्रियाएं करवाईं। वो न केवल उसकी मौत के बाद भी उसका दीवाना बना रहा, बल्कि अपने खर्च पर एक सुंदर मकबरा भी बनवाया। चौंकाने वाली बात यह थी कि मकबरे की चाबी सिर्फ टैज्लर के पास थी। रोज़ रात वह मकबरे पर जाता, फूल चढ़ाता, एलेना से बातें करता और यहां तक कि वहां टेलीफोन भी लगवा दिया था। वह दावा करता था कि एलेना की आत्मा उससे बात करती है और कहती है कि वह उसे अपने पास घर ले जाए।

1933 में, एलेना की मौत के दो साल बाद टैज्लर ने कुछ ऐसा किया, जिसकी कल्पना भी रोंगटे खड़े कर देती है। उसने चुपचाप एलेना का शव मकबरे से निकालकर अपने घर ले आया। अगले सात वर्षों तक, वह उस शव को ऐसे रखता रहा, जैसे वह जिंदा पत्नी हो। -हड्डियों को तार और कोट हैंगर से जोड़ा, चेहरा मोम और प्लास्टर से फिर से गढ़ा, कांच की आंखें लगाईं, एलेना के बालों से विग बनाया, परफ्यूम और रसायनों से दुर्गंध छुपाई, लाश को कपड़े पहनाए, जेवर पहनाए, और उसे अपने ही बिस्तर में सुलाया। वह उसके साथ बातें करता, उसे डिनर टेबल पर बिठाता और ऐसे जीता जैसे वह ज़िंदा हो। 1940 में एलेना की बहन को कुछ शक हुआ, और उसने टैज्लर के घर का दौरा किया। वहां पहुंचते ही उसके होश उड़ गए-उसे अपनी बहन की सजाई-संवारी, लेकिन क्षत-विक्षत लाश मिली।

मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान उत्तरी एरिजोना में क्रैश हुआ

एरिजोना, एजेंसी।
अमेरिका के एरिजोना राज्य में नावा जो नेशन क्षेत्र में मंगलवार को एक छोटा मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। इस हादसे में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नावा जो जनजाति के अधिकारियों ने दी। इस दुर्घटना में शामिल विमान बीचक्राफ्ट किंग एयर 300 था, जो सीएसआई एविएशन कंपनी का था। यह विमान न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क शहर से उड़ा था और उसमें दो पायलट व दो स्वास्थ्यकर्मी सवार थे।

जानकारी के मुताबिक, विमान की योजना चिनले के पास स्थित एयरपोर्ट पर उतरने की थी, जहां से एक गंभीर हालत वाले मरीज को लेकर वापस अल्बुकर्क लौटना था। लेकिन उतरते समय कोई तकनीकी गड़बड़ी हो गई और विमान क्रैश हो गया। नावा जो पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी एमेट याजी ने बताया कि, वे चिनले एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अफसोस, कुछ गलत हो गया। हादसे की सूचना मंगलवार दोपहर करीब 12:44 बजे मिली, जब एयरपोर्ट के पास काले धुएं के बादल उठते देखे गए। नावा जो इमरजेंसी विभाग की निदेशक शेरेन सैंडोवल ने बताया कि विमान एक मरीज को लेने आया था, जिसे विशेष इलाज की जरूरत थी। हालांकि, मरीज कहां था और उसकी हालत क्या है, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। विमान हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) मामले की जांच कर रहे हैं। हादसे से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। सीएसआई एविएशन कंपनी ने एक ईमेल बयान में हादसे की पुष्टि करते हुए गहरा दुख जताया और पीड़ितों के परिवारों व दोस्तों के प्रति संवेदना प्रकट की। अभी मृतकों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। नावा जो नेशन के राष्ट्रपति, बू नाइगरेन ने इस दुर्घटना पर सोशल मीडिया के जरिए शोक व्यक्त करते हुए कहा, ये लोग अपनी जान दूसरों की जान बचाने के लिए जोखिम में डालते थे। इनकी मौत पूरे नावा जो नेशन के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

नावा जो क्षेत्र के अस्पताल छोटे होते हैं और वहां अत्याधुनिक या ट्रॉमा केयर की सुविधाएं नहीं होतीं, इसलिए मरीजों को हवाई जहाज से बड़े अस्पतालों में ले जाया जाता है। चिनले एयरपोर्ट उन गिने-चुने एयरपोर्ट्स में है जिन्हें यह जनजाति खुद संचालित करती है। नावा जो रिजर्वेशन अमेरिका का सबसे बड़ा आदिवासी क्षेत्र है, जो लगभग 27,000 वर्ग मील (करीब 70,000 वर्ग किलोमीटर) में फैला हुआ है और इसमें एरिजोना, न्यू मैक्सिको और यूटाह शामिल हैं।

टैरिफ विवाद, ट्रम्प बोले- ब्राजीली राष्ट्रपति जब चाहें, बात करें

ब्रासीलिया, एजेंसी।
ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बातचीत के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, लूला जब चाहें, मुझसे बात कर सकते हैं। लूला ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा, मैं टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रम्प को कॉल नहीं करूंगा। इसके बदले पीएम नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग जैसे नेताओं से बातचीत करना चाहूंगा। अमेरिका ने ब्राजील पर 50प्रतिशत टैरिफ लगा रखा है। ब्राजील इससे निपटने के लिए विश्व व्यापार संगठन में जाने पर विचार कर रहा है। लूला ने यह भी कहा कि भले ही ट्रम्प से उनकी बातचीत न हो, लेकिन वे नवंबर में होने वाले सीओपी-30 क्लाइमेट समिट में ट्रम्प को न्योता जरूर भेजेंगे। अमेरिका ने हाल ही में ब्राजील पर 50प्रतिशत टैरिफ लगाया है। ट्रम्प प्रशासन के मुताबिक यह टैरिफ पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के चलते लगाया गया है।ट्रम्प ने बोल्सोनारो के खिलाफ कार्रवाई को विचहंट यानी बदले की कार्रवाई बताया है। बोल्सोनारो पर 2022 के चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप है। इसके चलते अमेरिका और ब्राजील के बीच रिश्ते और बिगड़ गए हैं। बोल्सोनारो पर 8 जनवरी 2023 को ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में हुए दंगों के लिए कथित रूप से तख्तापलट की कोशिश का आरोप है।

यूएन में हमास के कब्जे से बंधक छुड़ाने की मांग, कई देशों ने गाजा में भुखमरी पर इस्राइल को घेरा

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आपात बैठक में मंगलवार को इस्राइल ने अपने कमजोर हो चुके बंधकों की रिहाई की मांग की, वहीं अधिकतर सदस्य देशों ने गाजा में दो करोड़ फलस्तीनियों को भूखा रखने के लिए इस्राइल को ही जिम्मेदार ठहराया।

इस्राइल का आरोप- हमारे बंधकों को भूखा रख रही है हमास

इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार खुद न्यूयॉर्क पहुंचे और दावा किया कि हमास और इस्लामिक जिहाद ने पिछले 2 महीनों से बंधकों को खाना-पानी से वंचित रखा है। उन्होंने एक बंधक का उदाहरण दिया, जिसे जिंदा कब्र खुदवाने को मजबूर किया गया।

यूएन के सदस्यों का आरोप- गाजा को भुखमरी की ओर धकेल रहा है इस्राइल

लेकिन परिषद के ज्यादातर सदस्य देशों ने उल्टा इस्राइल पर ही गाजा में भुखमरी फैलाने का आरोप लगाया। दो महीने की नाकेबंदी के चलते वहां खाने-पीने की चीजें लगभग बंद हैं। गाजा की स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत भूख से हो चुकी है, जिनमें कई बच्चे शामिल हैं।

इस्राइल का दावा- हमने बहुत मदद भेजी, हमास लूट लेता है

गिदोन सार ने कहा कि इस्राइल ने गाजा में बड़ी मात्रा में राहत सामग्री भेजी है, लेकिन हमास उन्हें जब्त कर के बेचता है और इससे पैसा कमाता है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा है कि ऐसी किसी लूट का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

बंधक इव्यातार डेविड के बड़े भाई इताय डेविड ने सुरक्षा परिषद को वीडियो संदेश भेजा। उन्होंने कहा, मेरा भाई एक हड्डियों का ढांचा बन चुका है। कृपया उन्हें और बाकी बंधकों को अंधेरे में मरने मत दीजिए।

ब्रिटेन की यूएन प्रतिनिधि बारबरा वुडवर्ड ने कहा कि बंधकों को प्रोपेगंडा के लिए दिखाना बेहद घिनौना है और हमास को गाजा के शासन से बाहर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले संघर्षविराम के दौरान हालात बेहतर हुए थे लेकिन अब फिर भुखमरी चरम पर है।

वुडवर्ड ने आरोप लगाया कि इस्राइली सेना ने बेबी फॉर्मूला तक ज़ब्त किया है और गाजा के बच्चे इतने कुपोषित हो चुके हैं कि उनके घाव महीनों तक नहीं भर रहे। अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप गाजा में वास्तविक भुखमरी को मानते हैं और अमेरिका मदद पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बताया कि गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन नाम की संस्था ने रविवार को 15 लाख भोजन पैकेट बांटे हैं, लेकिन वहां पहुंचने की कोशिश में सैकड़ों फलस्तीनी मारे भी गए।

संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन के प्रतिनिधि रियाद मंसूर ने कहा कि हम भी उस वीडियो से दुखी हैं जिसमें इव्यातार डेविड कब्र खुदते दिखे, लेकिन यह दोहरा मापदंड नहीं चलेगा। उन्होंने कहा, इस्राइल चाहता है कि दुनिया उसकी बात माने, जबकि वही एक पूरी आबादी को भूखा मार रहा है और जब लोग खाना लेने जाते हैं तो उन पर गोली चलाता है। सिएरा लियोन के राजदूत माइकल इमरान कानु ने कहा कि हमास की तरफ से बंधक बनाना युद्ध अपराध है, लेकिन इसके बदले गाजा में आम नागरिकों पर भूख और पीड़ा थोपना भी उतना ही अमानवीय है। हम बंधकों के लिए चिंतित हैं, लेकिन साथ ही गाजा में मानवीय तबाही को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में पानीजन्य और मच्छरजन्य बीमारियों का कहर बेकाबू वायरल डेंगू के मामले 25% बढ़े

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में मौसम के दोहरे स्वरूप के चलते कई इलाकों में बीमारियों ने जोर पकड़ लिया है। सूरत में तो हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं,जहां पानीजन्य और मच्छरजन्य रोग बेकाबू होते जा रहे हैं। सूरत सिविल अस्पताल के बच्चों के वार्ड में बेड की भारी कमी हो गई है। हालात ऐसे हैं कि एक बेड पर दो-दो बच्चों को भर्ती किया जा रहा है, और इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है।

बच्चों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि उन्हें एक ही बेड पर इलाज दिया जा रहा है।

वायरल और डेंगू के मामलों में सबसे अधिक वृद्धि बच्चों में देखी जा रही है।

सिविल अस्पताल में डेंगू के मामलों में 25% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बच्चों की ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) में 50% की बढ़ोतरी हुई है।

हर दिन 280 से 300 बच्चे ओपीडी में इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

इनमें से 50 से 80 बच्चों को हर दिन भर्ती भी किया जा रहा है।

सूरत सिविल अस्पताल के बच्चों के वार्ड में 200 से अधिक बेड की व्यवस्था है।

लेकिन मौजूदा हालात इतने खराब हो गए हैं कि बेड कम पड़ने लगे हैं।

इसी कारण से एक बेड पर दो बच्चों को ट्रीटमेंट देना पड़ रहा है।

डॉक्टरों का कहना है कि यह स्थिति बढ़ते पानीजन्य और मच्छरजन्य रोगों के कारण बनी है।

प्रमुख कारण:

बारिश और उमस की वजह से मच्छरों की संख्या बढ़ी है।

जगह-जगह पानी का जमाव हो रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और वायरल फीवर जैसे रोग तेजी से फैल रहे हैं।

सूरत में स्वास्थ्य सेवाओं पर अत्यधिक दबाव है, खासकर बच्चों के मामलों में। यदि इसी तरह हालात रहे तो भविष्य में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। प्रशासन और नागरिकों दोनों को साफ-सफाई, मच्छर नियंत्रण और समय पर इलाज पर ध्यान देना जरूरी है।

पुलिस के नाम पर वसूली करता युवक का वीडियो वायरल कार्रवाई के बाद ड्यूटी से हटाया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके में त्रिमूर्ति चौकड़ी के पास स्थित "अव्वल चाय की दुकान" से एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है।

वीडियो फुटेज के अनुसार, युवक दुकानदार से पुलिस के नाम पर विमल और सिगरेट की वसूली करता हुआ नजर आ रहा है। दुकानदार ने तुरंत PCR को फोन करके इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई।

इस युवक का नाम वाल्मिक पाटिल बताया गया है, जो सचिन पुलिस स्टेशन में PCR पर कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर ड्यूटी करता था – वह सरकारी कर्मचारी नहीं, बल्कि आउटसोर्स स्टाफ के रूप में जुड़ा हुआ था।

वीडियो वायरल होते ही भेस्तान पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में युवक ने अपने नाम पर विमल और सिगरेट की वसूली करने की बात कबूल की।

पुलिस विभाग ने उसे ड्यूटी से तुरंत हटा दिया है और भविष्य में ऐसे कृत्यों की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

चंडीगढ़ के कमिश्नर समेत तीन सदस्यों की टीम सूरत के दो दिवसीय दौरे पर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के भाजपा शासक जहां मनाली में प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए हैं, वहीं देश के अन्य महानगरों की टीमें सूरत की कार्यप्रणाली से सीखने आ रही हैं। कुछ दिन पहले जयपुर के मेयर ने सूरत का दौरा किया था और अब चंडीगढ़ नगर निगम के कमिश्नर समेत तीन सदस्यीय टीम सूरत आई है। यह टीम दो दिनों तक सूरत के विभिन्न प्रोजेक्ट्स का दौरा कर रही है और साथ ही सूरत महानगरपालिका के राजस्व स्रोतों और विकास कार्यों की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी भी ले रही है।

पिछले दो वर्षों से सूरत शहर स्वच्छता सर्वेक्षण में देश के अन्य शहरों से आगे रहा है। इस वर्ष सूरत ने इंदौर को भी पीछे छोड़ते हुए पहले स्थान पर जगह बनाई है। ट्रैश ट्रीटमेंट, प्लास्टिक वेस्ट प्लांट और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट जैसे कई प्रोजेक्ट्स में सूरत महानगरपालिका देश के लिए एक आदर्श बन गई है।

लगातार प्रगति कर रहे सूरत की कार्यप्रणाली को देखने और समझने के लिए देशभर से नगर निगमों के प्रतिनिधि यहाँ पहुँच रहे हैं। आज चंडीगढ़ के म्यूनिसिपल कमिश्नर अमित कुमार, जॉइंट कमिश्नर और सिटी इंजीनियर की टीम दो दिवसीय दौरे पर सूरत पहुँची।

सुबह सबसे पहले टीम ने ICCC (इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) में सूरत महानगरपालिका के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान टीम ने 50 लाख से अधिक आबादी वाले सूरत शहर में सफाई, राजस्व स्रोतों की संरचना, और विकास कार्यों के लिए होने वाले व्यय से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

चंडीगढ़ की टीम का यह दौरा न केवल सूरत के कार्य मॉडल को सराहने का अवसर है बल्कि उनके अपने शहर में इसे लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी हो सकता है।

सूरत में मिठाई की11 दुकानों से लिए गए सैंपल, जांच के लिए भेजे लैब में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्रावण मास के त्योहारों के चलते मिठाइयों की जांच की प्रक्रिया के तहत आज म्युनिसिपल के फूड विभाग ने सूरत की मिठाई की दुकानों से मिठाई के सैंपल लेकर उन्हें जांच के लिए लैब में भेजा है।

श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही त्योहारों का सीजन शुरू हो गया है और आने वाले दिनों में रक्षाबंधन का त्योहार भी नजदीक है, जिससे मिठाई की बिक्री में तेजी आएगी। लोगों को अच्छी और शुद्ध मिठाई मिले, इस उद्देश्य से पालिका ने आज सुबह से ही शहर की विभिन्न मिठाई की दुकानों से सैंपल लेना शुरू किया।

दोपहर तक कुल 11 सैंपल एकत्र किए गए हैं और यह प्रक्रिया देर शाम तक जारी रहेगी। अब जब रक्षाबंधन का त्योहार पास है, मिठाई की दुकानों में मिठाई बनाने का काम भी शुरू हो गया है। आज फूड विभाग ने सूरत के रांदेर और सेंट्रल जोन क्षेत्र की मिठाई की दुकानों से कुल 11 मिठाई के सैंपल जांच के लिए लैब में भेजे हैं।

मावा और मिठाई के सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि कोई सैंपल फेल होता है तो संबंधित दुकान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरथाणा पुलिस स्टेशन का PSI रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया

आरोपियों को न पीटने और जल्दी ज़मानत दिलाने के बदले में 40 हजार की मांग की, ACB ने रंगे हाथों गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने सूरत में एक सफल ट्रैप ऑपरेशन कर सरथाणा पुलिस स्टेशन के PSI एम. जी. लिम्बोला को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया है। PSI और उसके दोस्त के खिलाफ सरथाणा पुलिस स्टेशन में एक अपराध दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच PSI एम. जी. लिम्बोला कर रहे थे। जांच के दौरान PSI ने आरोपियों को शारीरिक रूप से न पीटने और उन्हें जल्द ज़मानत पर छोड़ने के लिए शिकायतकर्ता से 40,000 की रिश्वत मांगी।

उद्देश्यपूर्ण बातचीत की और 40,000 की रिश्वत स्वीकार की। उसी समय ACB की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। रिश्वत की रकम 40,000 भी उससे बरामद कर ली गई है। ACB ने आरोपी PSI एम. जी. लिम्बोला को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

लिम्बोला ने एक केस के आरोपियों को न पीटने और जल्द ज़मानत दिलाने के बदले में शिकायतकर्ता से 40,000 की रिश्वत मांगी थी। पुलिस स्टेशन के सर्वेलेंस स्टाफ ऑफिस में रिश्वत लेते समय ACB ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

मामले की जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता के मामा के बेटे शिकायतकर्ता रिश्वत देना नहीं चाहता था, इसलिए उसने तुरंत ACB से संपर्क किया। ACB ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत ट्रैप की योजना बनाई।

6 अगस्त 2025 को, सरथाणा पुलिस स्टेशन की सर्वेलेंस स्टाफ ऑफिस में यह ट्रैप रचा गया। ट्रैप के दौरान PSI लिम्बोला ने शिकायतकर्ता से

इस सफल ऑपरेशन में भरूच ACB के पुलिस इंस्पेक्टर एम. जे. शिंदे और वडोदरा ग्रामीण ACB के इंचार्ज पुलिस इंस्पेक्टर ए. जे. चौहान और उनकी टीमों ने अहम भूमिका निभाई। इस पूरी कार्रवाई की निगरानी ACB वडोदरा इकाई के इंचार्ज डिप्टी डायरेक्टर बी. एम. पटेल ने की थी।

सूरत मनपा की उर्दू माध्यम स्कूल के

600 बच्चों को पढ़ाई के लिए ट्रैफिक से भरे सूरत-नवसारी रोड को पार करने की मजबूरी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के उधना क्षेत्र के उन इलाके में स्थित सूरत महानगर पालिका की उर्दू माध्यम स्कूल में पढ़ाई करने के लिए 600 से अधिक छात्रों को हर दिन ट्रैफिक से भरे सूरत-नवसारी रोड को पार करना पड़ रहा है। इससे छात्रों को जान का खतरा बना रहता है। इसी को देखते हुए उन गांवठाण क्षेत्र में नई उर्दू स्कूल शुरू करने की मांग की गई है। यदि यह मांग पूरी नहीं होती, तो गांधीवादी तरीके से आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।

उधना जोन के उन क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय की संख्या अधिक है, और यहां के लोग अपने बच्चों को उर्दू माध्यम में शिक्षा दिलाना चाहते हैं। इस मुद्दे पर हाल ही में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के अभिभावकों और समाज के नेताओं ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र श्रमिक बहुल और गरीब समुदाय का है। ऐसे में उर्दू में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

फिलहाल उन गांवठाण क्षेत्र के लगभग 600 छात्र नगर प्राथमिक शिक्षा समिति द्वारा संचालित स्कूल क्रमांक 37, जो भेस्तान रेलवे स्टेशन के पास स्थित है, वहां पढ़ने जाते हैं। इस स्कूल में पहले से ही लगभग 1700 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इन बच्चों को पढ़ाई के लिए रोज़ ट्रैफिक से भरे सूरत-नवसारी रोड को पार करना पड़ता है, जिससे पहले भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और बच्चों की जान को खतरा बना रहता है।

ऐसे हालात को देखते हुए पूर्व पार्षद भद्रेश परमार और असलम सायकलवाला ने "राइट टू एजुकेशन एक्ट" के तहत बच्चों को उनके निवास के नज़दीक स्कूल की सुविधा देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि उन क्षेत्र में पहले से ही स्कूल क्रमांक 294-295 की इमारत मौजूद है, जिसमें दोपहर की पाली की स्कूल का स्थानांतरण हो चुका है, जिससे भवन दोपहर में खाली रहता है। इसलिए, उन्होंने मांग की है कि

सूरत में वॉटर मेट्रो के लिए तैयारी

तापी नदी में वॉटर मेट्रो की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की, देश के 18 शहरों में फिजिबिलिटी जांच होगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर से गुजरने वाली तापी नदी सूरत के पीने के पानी की जीवनरेखा है, लेकिन अब तापी नदी पर बैराज बनने के बाद सूरत नगर निगम ने तापी रिवरफ्रंट को ध्यान में रखते हुए वॉटर मेट्रो के उपयोग की दिशा में विचार शुरू किया है। इस योजना को ध्यान में रखते हुए पालिका कमिश्नर ने बजट में वॉटर मेट्रो की संभाव्यता (फिजिबिलिटी) जांच के लिए प्रावधान भी किया था।

हालांकि, अब इस वॉटर मेट्रो परियोजना की फिजिबिलिटी जांच की जिम्मेदारी भारत सरकार ने खुद उठाई है। केंद्र सरकार देश के 18 शहरों की नदियों में वॉटर मेट्रो की फिजिबिलिटी की जांच कराएगी, जिसमें गुजरात से सूरत और अहमदाबाद को भी शामिल किया गया है।

सूरत नगर निगम ने तापी नदी को ट्रांसपोर्टेशन के रूप में उपयोग में लेने के लिए बजट में वॉटर मेट्रो की संभाव्यता जांच के लिए प्रावधान किया था, लेकिन अब केंद्र सरकार के निर्णय के चलते पालिका को फिजिबिलिटी पर खर्च नहीं करना पड़ेगा।

भारत में फिलहाल केवल कोच्चि शहर में वॉटर मेट्रो सेवा चालू है। कोच्चि की टीम ने सूरत आकर विभिन्न सर्वेक्षण किए थे। उन्होंने 108 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस कॉरिडोर को जोड़ते हुए सुझाए गए बैराज के अपस्ट्रीम में वॉटर मेट्रो स्टेशन की संभावित जगहों का दौरा भी किया। टीम दो बार सूरत का दौरा कर चुकी है और इस दौरान विभिन्न डेटा भी इकट्ठा किया गया।

भारत सरकार अब सूरत समेत 18 शहरों में बहने वाली नदियों में वॉटर मेट्रो के लिए संभाव्यता जांच कराएगी और उसके बाद रिपोर्ट के आधार पर प्रोजेक्ट को लेकर निर्णय लिया जाएगा। पालिका से मिली जानकारी के अनुसार, चीनी टीम द्वारा 22 किलोमीटर के रूट पर नदी के दोनों किनारों पर डॉकिंग स्टेशन की संभावित जगहों, कम से कम दो टर्मिनलों और पार्किंग स्पेस की उपलब्धता की भी जांच की जाएगी। सर्वे में यह भी देखा जाएगा कि वॉटर मेट्रो या अन्य फेरी सेवा शुरू करने के लिए नदी की गहराई पर्याप्त है या नहीं।